वर्ष-15, अंक-270
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

# सिटी चीफ

इंदौर, शनिवार 04 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार


**आज का विचार**
सकारात्मक विचार आपके जीवन को बदल सकते हैं.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

# यूनियन कार्बाइड कचरे के खिलाफ उग्र हुआ प्रदर्शन, हालात बिगड़े

## पुलिस ने भीड़ पर किया लाठीचार्ज, 2 लोगों ने खुद पर पेट्रोल डाल लगाई आग

**इंदौर।** मप्र के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड कचरे को जलाने के खिलाफ हो रहे आंदोलन ने तूल पकड़ लिया है। शुक्रवार को हजारों लोग सड़क पर उतर आए, बेकाबू भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान दो युवकों ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। दोनों को गंभीर हालत में चोइथराम अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस और अन्य सुरक्षा दलों ने भीड़ को तितर-बितर किया है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल कर उन्हें खदेड़ा। दरअसल, प्रदर्शनकारियों ने चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। जिससे हाईवे पर करीब 7 किलोमीटर तक वाहन फंस गए। भोपाल से पीथमपुर में कचरा आने के बाद से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सांसें फूली हुई हैं। पुलिस, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की समझाइश का जनता पर कोई असर पड़ता नजर नहीं आ रहा है। सभी संगठन, संस्थाएं एक मंच पर आकर इसका विरोध कर रही हैं।

**कचरा जलाने वाली कंपनी परिसर को घेरने की कोशिश** प्रदर्शनकारी पीथमपुर की रामकी कंपनी में तोड़फोड़ करने के इरादे से जाने लगे तो पुलिस ने लाठियां चलाकर उन्हें रोका। रामकी कंपनी को प्रशासन ने प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है। पूरे इलाके को पुलिस छावनी बना दिया है। सड़कों पर बेरिकेड लगाए गए हैं। डेढ़ सौ से ज्यादा पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। इस पूरे इंतजाम के कारण अभी तक भीड़ कंपनी परिसर तक नहीं पहुंच पाई है। इंदौर से अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया है।

**महिलाएं बोली-जनप्रतिनिधि हमारी चूड़ियां पहन ले** प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं। उनका कहना है कि पीथमपुर में हजारों फैक्ट्रियां है। विषैले कचरे के कारण लोग यहां से पलायन करने लग जाएंगे तो हमारा रोजगार छिन जाएगा। जनप्रतिनिधि भी इस मामले में खामोश हैं। कुछ महिलाएं अपनी चूड़ियां निकाल कर बोलीं- अब हम ये चूड़ियां जनप्रतिनिधियों को भेंट करेंगे। बंद को रहवासियों का पूरा साथ मिला है। हर जगह बंद का असर नजर आ रहा है। कोई भी सड़कों पर कारोबार करता नजर नहीं आ रहा। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि कचरा जलाना शुरू किया तो आंदोलन और भी भड़क जाएगा।

**इंदौर आने-जाने के सभी रस्ते बंद, लोगों को पानी भी नहीं मिल रहा** पीथमपुर में लोगों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने चारों तरफ से आने-जाने के रास्ते बंद कर दिए हैं। इंदौर जाने का रास्ता पूरी तरह से बंद है। यहां लोगों को पीने का पानी भी नहीं मिल रहा है। खाने का सामान भी नहीं है। यहां की फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर परेशान हो रहे हैं। यहां की सड़कों पर लंबा जाम भी नजर आ रहा है। जगह-जगह प्रदर्शनकारी गाड़ियों को रोक रहे हैं। किशनगंज मार्ग और धार की तरफ जाने वाला ट्रैफिक तीन घंटे से रुका हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने कुछ वाहनों में तोड़फोड़ भी की है। मुंबई आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी वाहनों को रोका जा रहा है।

**इंदौर से गए कई संगठन** इंदौर से कई संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के लोग पीथमपुर गए हैं। बड़ी संख्या में इंदौर में भी लोग इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

### सीएम बोले- लोग गलतफहमी का शिकार न हों, सभी का जीवन मूल्यवान



सीएम मोहन यादव ने विरोध कर रहे लोगों को संतुष्ट करने का प्रयास किया लेकिन उसका कोई असर नहीं दिखा। पीथमपुर में कचरे के निस्तारण को लेकर अब उनका बयान सामने आया है। उनका कहना है कि लोग गलतफहमी का शिकार ना हो। सभी का जीवन मूल्यवान है। सरकार सभी का हित चाहती है। यूनियन कार्बाइड के कचरे का निस्तारण कोर्ट और वैज्ञानिकों की देखरेख में होगा। अभी कचरे को जलाया भी नहीं जा रहा है।

### प्रशासन ने धरना खत्म करने की अपील की

धार के एसपी मनोज कुमार सिंह और कलेक्टर प्रियंक मिश्र ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। उनसे धरना खत्म करने की अपील की है। एसपी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि पीथमपुर में शांति व्यवस्था रहे, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। कानून व्यवस्था को बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। लोग जल्दी अपना धरना खत्म करेंगे। वहीं कलेक्टर ने बरदारी, अकोलिया, आजाद चौराहा, बस स्टैंड, छत्रछाया, धन्नड, सीसी पावर, गुडलक चौराहे के प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया । कलेक्टर प्रियंक मिश्र ने कहा कि धरना प्रदर्शन खत्म करने की अपील की गई है। वहीं भोपाल गैस त्रासदी, राहत एवं पुनर्वास विभाग के मंत्री विजय शाह ने कहा कि यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा पीथमपुर ले जाने से पहले वैज्ञानिक तरीके से सर्वे कराया गया है।

## 150 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात

### युवाओं की मांग : और कहीं जलाएं कचरा

पीथमपुर में कचरा जलाने को लेकर लगातार युवाओं की ओर से विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है, जहां बस स्टैंड पर बड़ी संख्या में युवा विरोध-प्रदर्शन के लिए बैठे हैं। इन युवाओं की मांग है की, भोपाल से आए कचरे को कहीं और जलाया जाना चाहिए।

### भले ही जान चली जाए, नहीं जलाने देंगे कचरा

बस स्टैंड पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने बताया कि, हम ये लड़ाई लंबे वक्त से लड़ रहे हैं, पिछले 4 महीने से हम सड़क पर उतरे हैं। हमने कहा कि, चाहे हमारी जान चली जाए, लेकिन हम इस कचरे का निस्तारण पीथमपुर में नहीं होने देंगे, हमारी लड़ाई है की, इस रामकी वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी को कहीं और ले जाया गया, ऐसी जगह जहां कई किलोमीटर तक कोई रहवासी क्षेत्र ना हो, युवाओं ने बताया कि, औघोगिक कचरे के चलते पहले से ही पीथमपुर में फसलें खराब हो रही है, और यदी अब इस कचरे का यहां निष्पादन हुआ तो पीथमपुर की फसलें तो ठीक नस्लें भी खराब होंगी।

### अनशन पर बैठे सैलाना के विधायक

पीथमपुर के हर गली मोहल्ले सड़क पर लोगों की भीड़ उतर आई है। मामले को लेकर पीथमपुर में सैलाना के विधायक कमलेश्वर डोडियार 24 घंटे के लिए अनशन पर बैठ गए हैं। डोडियार का कहना है कि 337 मैट्रिक टन जहरीले कचरे को यहां जलाने से लोगों को कैंसर होने का खतरा है। सरकार का रवैया ठीक नहीं है।

### मंत्री विजयवर्गीय ने बुलाई बैठक, कहा-जनता डरे नहीं, रातभर हमने सरकार को सोने नहीं दिया



भोपाल से इंदौर आए 337 टन विषैले कचरे को लेकर जारी विरोध के बीच इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में एक बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि हमें भी शहर की चिंता है। रातभर हमने सरकार को सोने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जहरीले कचरे से जनता भयग्रस्त न हो, शंका का समाधान जरूरी है। विजयवर्गीय ने अफसरों से यह भी पूछा कि वर्ष 2015 में दस टन जहरीले कचरे को जलाया गया तो क्या पीथमपुर की जनता को जानकारी थी? जिसका अफसर कोई जवाब नहीं दे सके। आईएएस विवेक पोरवाल ने कहा कि पीथमपुर में दो बार कचरे का ट्रायल हो चुका है। फसल की उत्पादकता, पानी की जांच की गई। 17 जगहों पर बोर कर 37 मापदंडों पर परीक्षण किया गया। पानी दूषित नहीं पाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने जल्दबाजी नहीं की। पूरी प्रक्रिया अपनाई गई है। 337 टन कचरे को जलाने में महीनों लगेंगे। कचरे को लेकर मन में शंकाएं हो सकती हैं

> कचरे का निष्पादन सभी को पूर्ण जानकारी देने के बाद ही किया जाएगा। कोई भी कानून व्यवस्था का उल्लंघन न करे, कोई भी जनहानि या मालहानि नहीं होनी चाहिए। ऐसी अवस्था में प्रशासन को कड़े निर्णय लेने पड़ेंगे।
>
> **प्रियंक मिश्रा, कलेक्टर धार**
>
> सरकार ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगी जिससे आम जनता को कोई क्षति हो। सबकी सहमति के बाद ही आखिरी कदम उठाया जाएगा। जो भी नियमों उल्लंघन करने का प्रयास करेगा तो हम सब कार्रवाई करेंगे।
>
> **मनोज कुमार सिंह, एसपी धार**

ईपीएफओ ने देशभर में लागू की केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली

## देश में अब किसी भी बैंक या शाखा से निकाली जा सकेगी पेंशन

**नई दिल्ली।** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने देशभर के पेंशनधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। अब वे देश में किसी भी शाखा से अपनी पेंशन की राशि निकाल सकेंगे। ईपीएफओ ने कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत नई केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) को देशभर में लागू करने का काम पूरा कर लिया है। इसके तहत दिसंबर 2024 के लिए ईपीएफओ के सभी 122 पेंशन वितरण क्षेत्रीय कार्यालयों से संबंधित 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को लगभग 1,570 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा ईपीएफओ के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) का पूर्ण कार्यान्वयन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा यह परिवर्तनकारी पहल के तहत पेंशनभोगी देश में कहीं भी, किसी भी बैंक, किसी भी शाखा से अपनी पेंशन आसानी से हासिल कर सकेंगे। उन्हें भौतिक सत्यापन के लिए किसी शाखा पर जाने की जरूरत नहीं होगी।

एमपीपीएससी मामले में छात्रों के हक में उतरे कांग्रेस नेता

## राहुल बोले- युवाओं का एकलव्य की तरह अंगूठा काट रही है सरकार

**इंदौर।** मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीएससी) की ओर से 2025 के लिए केवल 158 पदों की घोषणा के मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोल दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ दिया है। उन्होंने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने एमपीपीएससी के 700 पदों की भर्ती का वादा किया था, लेकिन केवल 158 पदों के लिए अधिसूचना जारी की गई। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में लिखा कि भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य मिटा रही है। सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो एग्जाम समय पर नहीं होते। एग्जाम हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं। और जब युवा न्याय मांगते हैं तब उनकी आवाज को बेरहमी से कुचला जाता है।

**ये है मामला** मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीएससी) की ओर से 2025 के लिए नोटिफिकेशन जारी हुआ, जिसमें 158 पदों की घोषणा की गई, जबकि सरकार ने 700 पदों की भर्ती का वादा किया था। इस नोटिफिकेशन के बाद से युवाओं में आक्रोश है। इस मसले पर कल से ही विवाद मचा हुआ है। युवओं ने नोटिफिकेशन के विरोध में जमकर हंगामा करते हुए आंदोलन शुरू कर दिया। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आंदोलन के प्रमुख और एनईवाययू के संयोजक राधे जाट और रणजीत किशानवंशी को हिरासत में लिया और बाद में उन्हें जेल में भेज दिया गया था।

## सीबीआई की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरमीत राम रहीम को जारी किया नोटिस

**नई दिल्ली।** एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह और चार अन्य को 2002 में संप्रदाय के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में बरी किए जाने के खिलाफ सीबीआई की अपील की जांच करने पर सहमति जताई। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 28 मई, 2024 को मामले में सिंह और अन्य को बरी कर दिया था, यह कहते हुए कि जांच संक्रमित और अधूरी थी। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि मीडिया ट्रायल के कारण रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन नहीं किया जा सका था। सिरसा के रहने वाले सिंह, जो अपने दो शिष्यों के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने के लिए 20 साल की जेल की सजा काट रहे हैं

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष की शुरुआत, संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले-

# प्रदर्शन के लिए नहीं सिखाते लाठी चलाना, इससे खत्म होता है डर का भाव



**इंदौर।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष की शुरूआत इंदौर में स्वर शतकम आयोजन से हुई। एक हजार से ज्याद स्वयंसेवकों ने जयघोष की प्रस्तुति दी। स्वयंसेवकों ने सौ के अंक की मानव आकृति भी बनाई। समारोह में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संघ के कार्यक्रमों से मनुष्य के सद्गुणों में वृद्धि होती है। संघ लाठी चलाना प्रदर्शन के लिए नहीं सिखाता। यह एक कला है और लाठी चलाने से व्यक्ति को वीरता आती है। डर का भाव खत्म हो जाता है। आरएसएस में घोष दलों के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि संगीत के सब अनुरागी है, लेकिन साधक सब नहीं होते। भारतीय संगीत में घोष दलों की परंपरा नहीं थी। शुरूआत में संघ के स्वयंसेवकों ने नागपुर के कामठी केंटोनमेंट बोर्ड में सेना के वादकों की धुनें सुनकर अभ्यास किया। संगीत वादन भी देशभक्ति से जुड़ा है। दूसरे देशों में देशभक्ति संगीत से भी प्रदर्शित होती है। हम दुनिया में किसी से पीछे न रहे,हमने भी घोष की उपयोगिता को समझा इसलिए संघ ने भी घोष दल बनाए।

**एक दिन सारी दुनिया सुख और शांति का युग देखेगी**
संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ के कार्यक्रम प्रदर्शन के लिए नहीं होते। उनसे जुड़कर मनुष्य की संस्कृति, स्वभाव और संस्कार बनते है। भागवत ने कहा कि आयोजन में इस जयघोष का प्रदर्शन इसलिए किया गया कि समाज इस जयघोष की जड़ को देखे। राष्ट्र निर्माण के लिए लोग संघ से जुड़े। लोगों में राष्ट्र निर्माण का भाव जागृत होगा तो एक दिन सारी दुनिया सुख और शांति का युग देखेगी। समारोह के मुख्य अतिथि लोक गीत कलाकार कालूराम बामनिया ने कहा कि कर्म की प्रधानता है। हमें कर्म करना चाहिए। कर्म से मनुष्य महान बनता है।मंच पर मालवा प्रांत के सर संघ चालक प्रकाश शास्त्री, डॉ मुकेश मोड़ भी मंच पर मौजूद थे।

**45 मिनट तक घोष दल ने दी अलग-अलग धुनों की प्रस्तुति**
मालवा प्रांत के 28 जिलों के स्वयंसेवकों ने बैंड,बांसुरी, ट्रंपेट पर अलग अलग धुनें बजाई। बांसुरी पर भजन मेरी झोपडी के भाग खुल जाएंगे,राम आएंगे,नमःशिवाय भजन की धुन भी बजाई गई। 45 मिनिट तक धुनों की प्रस्तुति के बाद वक्ताओं ने संबोधित किया।

### न्यू ईयर विश करने के बहाने घर पहुंचा और अकेला पाकर की हरकत

# मुंहबोले चाचा ने नाबालिग से की छेड़छाड़, शादी का बनाया दबाव

**सिटी चीफ इंदौर।**

एरोड्रम थाना क्षेत्र में मुंह बोले चाचा ने एक 15 साल की नाबालिग के साथ अकेला पाकर छेड़छाड़ की। लड़के के विरोध करने पर शादी को लेकर दबाव बनाया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक 10वी क्लास में पढ़ने वाली छात्रा की शिकायत पर उसके आरोपी के खिलाफ छेडछाड़ और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसके पिता का दोस्त है। इसलिए उन्हें चाचा कहती है। उनका घर पर आना-जाना लगा रहता है। माता-पिता काम पर चले जाते है। लड़की ने बताया कि वह घर के बाहर खड़ी थी। इस दौरान आरोपी न्यू ईयर विश करने उसके घर आया और कहा कि वह प्यार करता है। उससे शादी करना चाहता है।

**बात नहीं मानने पर हाथ की नस काटने की दी धमकी**

पीड़िता ने आरोपी को रोका तो आरोपी ने उसका हाथ पकड़ा और कहा कि उसकी बात नही मानेगी तो वह हाथ की नस काटकर सुसाइड कर लेगा। वही छात्रा को भी जान से मारने की धमकी दी। छात्रा इस दौरान अपने घर के अंदर चली गई। बाद में उसने मां को जानकारी दी, बताया कि वह बुरी नीयत से पहले भी पीछा करता था। लेकिन परिवार की बदनामी के चलते यह बात उसने किसी को नही बताई।

**पड़ोसी युवक ने छात्र के साथ की छेड़छाड़, विरोध करने पर पीटा**

जूनी इंदौर में भी एक लड़के ने अपने पड़ोस में रहने वाली लड़की से छेडछाड़ की। लड़की ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस ने बताया कि 12 वी में पढ़ने वाली छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने अभिषेक शिव साठे पर छेडछाड़, मारपीट और धमकी के मामले में केस दर्ज किया गया है।

पीड़िता गुरुवार को अपनी मां के साथ थाने पहुंची, उसने बताया कि शाम 7 बजे वह घर के बाहर अपने मामा की बेटी के साथ बैठी थी। अभिषेक उसके पास पहुंचा। हाथ पकड़कर अपनी तरफ खींचा। इस दौरान विरोध किया तो मामा की बेटी घर के अंदर मां को बुलाने भागी। तब अभिषेक ने गलत तरीके से टच किया। वही कहा कि उसके साथ चलना पड़ेगा। इस दौरान मां आई तो उसने डंडा उठाकर उसके साथ और मां के साथ भी मारपीट की, वही जान से मारने की धमकी देने लगा।

### खजराना क्षेत्र के स्टार चौराहे के पास हादसा, दोस्तों के साथ ढाबे से खाना खाकर लौट रहे थे युवक

# डिवाइडर से टकराया स्कूटर दो दोस्तों की मौत

**सिटी चीफ इंदौर।**

खजराना इलाके में एक सड़क हादसे में दो दोस्तों की जान चली गई। बताया जाता है कि अंश (22) और तनिष्क रात में अपने अन्य दोस्तों के साथ खाना खाने बायपास स्थित एक होटल गए थे। खाने के बाद लौटते समय, अंश और तनिष्क स्कूटर पर सवार थे। अचानक स्कूटर का संतुलन बिगड़ा और वह डिवाइडर से टकरा गए।

खजराना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना स्टार चौराहे के पास हुई। अंश, जो मरीमाता मेन रोड का निवासी था, और तनिष्क, जो आनंद जायसवाल का बेटा था, दोनों की इस हादसे में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, दोनों रात करीब डेढ़ बजे होटल से वापस लौट रहे थे। अचानक अंश की स्कूटर का संतुलन बिगड़ा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और तनिष्क दूसरी तरफ गिर गया। दोनों को तुरंत एमवाय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

**बहन का रिश्ता पक्का होने की खुशी में गए थे पार्टी करने**

दोस्तों के अनुसार, अंश की बड़ी बहन का रिश्ता पक्का हुआ था, और इसी खुशी के मौके पर वह दोस्तों के साथ पार्टी करने गए थे। अंश ग्राफिक्स

डिजाइन का कोर्स कर रहा था, जबकि तनिष्क बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था। अंश के पिता ऑटो चलाते हैं, जबकि तनिष्क के पिता होटल व्यवसायी और शराब ठेकेदार हैं।

**देखा तो दोनों रास्ते में पड़े थे**

तनिष्क की बहन वैष्णवी ने बताया कि हम सब डिनर करने गए थे। हम पीछे दूसरी गाडी से थे। जब हम घटनास्थल पर पहुंचे तो दोनों रास्ते में गिरे पड़े मिले। इसके बाद हम उन्हें उठाकर कोकिला बेन अस्पताल ले गए। यहां पर ड्यूटी डॉक्टर नही थे। उन्हें भाई को ओटी तक ले जाने के लिये स्ट्रेचर समय पर नही मिला। भाई की सांसे चल रही थी। समय पर उपचार मिल जाता तो जान बच जाती।

### भिखारियों से सामान खरीदने पर भी लगाई कानूनी रोक

# भीख देने पर होगा 1000 रुपए जुर्माना, आदेश लागू

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने की कोशिशों में जुटे प्रशासन ने अब भीख देने और भिखारियों से कोई सामान खरीदने पर कानूनी रोक लगा दी ह। साथ ही इस प्रतिबंध के उल्लंघन पर कार्रवाई का प्रावधान किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इंदौर में यदि अब कोई भीख देता हुआ पकड़ा गया तो 1000 रुपए जुर्माना वसूल किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि जिलाधिकारी आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी आदेश में कहा किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाता है। भिक्षुओं को भिक्षास्वरूप कुछ भी देना या उनसे किसी भी प्रकार का सामान खरीदना प्रतिबंधित किया जाता है॥ आदेश में कहा गया कि जो व्यक्ति भिखारियों को भिक्षास्वरूप कोई भी चीज देता या उनसे कोई सामान खरीदता पाया गया, तो उसके खिलाफ भी इस आदेश के उल्लंघन पर कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

**एक साल की सजा या पांच हजार तक जुर्माना**

अधिकारियों ने बताया कि आदेश के उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत एफआईआर दर्ज की जाएगी। इस कानूनी प्रावधान के तहत दोषी को एक वर्ष तक के कारावास या 5,000 रुपये तक के जुर्माने या दोनों सजाओं से दंडित किया जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रशासन के आदेश में भिक्षावृत्ति की सही सूचना देने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई है।

**4 महीने में 400 लोगों को भेजा गया आश्रय स्थल**

महिला और बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि शहर में गुजरे चार महीनों के दौरान भिक्षावृत्ति में शामिल करीब 400 लोगों को पुनर्वास के लिए एक आश्रय स्थल भेजा गया है, जबकि 64 बच्चों को बाल देखरेख संस्थान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा, पिछले चार महीनों के दौरान हमने लोगों को भिक्षावृत्ति के खिलाफ जागरूक करने के लिए अलग-अलग अभियान चलाए। अब भीख लेने वाले और भीख देने वाले, दोनों तरह के लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने देश के 10 शहरों को भिक्षुकमुक्त बनाए जाने की प्रायोगिक (पायलट) परियोजना शुरू की है जिनमें इंदौर शामिल है।

### पब में न्यू ईयर के जश्न के दौरान लोगों ने मोबाइल में कैद कर ली थी हरकतें

# नाबालिगों के अश्लील वीडियो वायरल से मचा हड़कंप

**इंदौर।** शहर के एक पब में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान नाबालिगों की अश्लील हरकतों के वीडियो वायरल होने से हड़कंप मच गया है। दरअसल, खजराना इलाके में रिंग रोड स्थित डोपा माइन पब के यह वीडियो पूरे शहर में वायरल हो रहे हैं। पब में न्यू ईयर पार्टी के दौरान नाबालिग लड़के-लड़कियां शामिल हुए, जहां देर रात तक शराब और डांस के बीच अश्लीलता का माहौल बना रहा। नशे में झूमते युवाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

कमिश्नर संतोष सिंह ने सभी पब और होटलों को तय समय पर बंद कराने और नशाखोरी करने वालों

के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बावजूद पब में नियमों की अनदेखी हुई और प्रशासन इस पार्टी पर सख्ती से कार्रवाई करने में असफल रहा। पब के अंदर अश्लील डांस और नाबालिगों की मौजूदगी के वायरल वीडियो ने पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पब खजराना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां सख्ती के निदेर्शों के बावजूद इस तरह की घटना सामने आई। विजयनगर और नगर निगम के विवाद के चलते बजरंग दल और हिंदू जागरण मंच के सदस्यों ने इस बार न्यू ईयर पार्टी से दूरी बनाए रखी। 31 दिसंबर की रात किसी भी पब या होटल के बाहर अश्लीलता रोकने के लिए हिंदूवादी नेता नहीं पहुंचे, क्योंकि पुलिस प्रशासन ने उन्हें पहले ही यह आश्वासन दिया था कि समय सीमा का पालन किया जाएगा। इस घटना ने पुलिस और प्रशासन की सक्रियता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाख दावों के बावजूद पुलिस और प्रशासन इस तरह की घटनाओं को रोक नहीं सके। कई जगह युवा शराब के नशे में चूर गिरते पड़ते रहे तो कई जगह खुलेआम डांस करते और हरकतें करते नजर आए। न्यू ईयर के बाद वायरल हुए इन वीडियो ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह खड़े कर दिए।

### महिला कर्मचारी ने मंत्री के सामने रोते हुए बताई समस्या, कहा- रिटायर होने से पहले सुधर जाए भवन की दशा

# खाद्य और औषधि प्रशासन के पुराने भवन में निकलते हैं सांप-बिच्छू

**सिटी चीफ इंदौर।**

**इंदौर।** लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज के पास खाद्य और औषधि प्रशासन के पुराने भवन का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान यहां के एक महिला कर्मचारी उन्हें समस्याएं बताते-बताते रो पड़ी। महिला ने मंत्री से कहा- सर, यहां वॉशरूम में सांप और बिच्छू निकलते हैं। महिलाओं की परेशानी इस कदर है कि उन्हें घर जाना पड़ता है।

महिला कर्मचारी का कहना था कि मैं जल्द रिटायर हो रही हूं और चाहती हूं कि जाने से पहले इस भवन को नए स्वरूप में देखूं। महिला की बात सुनकर मंत्री और अधिकारी हंस पड़े। मंत्री पटेल ने कहा कि हम समाधान करेंगे। बाद में मंत्री ने अधिकारियों को नए भवन की प्लानिंग को लेकर निर्देश

दिए कि इसे जल्द किया जाएं।

**काम करने में लगता है डर**

महिला कर्मचारी ने कहा, बारिश के दिनों में यहां काफी पानी टपकता है। भवन की दीवारें कभी भी गिर सकती हैं। यहां काम करने से डर लगता है, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। अब जब कोई हमारी परेशानी पूछता है, तो हमें बताने में रोना आ जाता है। महिला कर्मचारी ने बताया कि सांप और बिच्छू के कारण गर्भवती महिलाएं तो घर चली जाती हैं। यहां का हाल बहुत बेहाल है। हम दो महीने तक बाहर बैठकर काम करते थे। अगर यहां नया भवन बनाकर दिया जाता है, तो हमारे लिए यह गर्व की बात होगी। मैं रिटायरमेंट से पहले इस भवन को नए स्वरूप में देखना चाहती हूं।

# दिल्ली से ऑनलाइन क्लास का बोलकर 24 हजार ठग लिए

### ऑनलाइन जर्मन कोचिंग कराने के नाम पर ठगी

**सिटी चीफ इंदौर।**

**इंदौर।** खजराना थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ ऑनलाइन जर्मन कोचिंग कराने के नाम पर ठगी के मामले में क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच में दो महिला टीचर्स, ज्योति और संगीता, को संलिप्त पाया जा रहा है।

पीड़िता तनुश्री हिंगरानी निवासी खजराना ने एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया से शिकायत की थी। तनुश्री ने कहा कि वह अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए जर्मन भाषा सीखने का प्रयास कर रही थीं और इस उद्देश्य से उन्होंने दिल्ली स्थित एक कोचिंग संस्था इंटेलिजिन्स टेक्नोलॉजी से संपर्क किया था। कोचिंग के नाम पर 24 हजार रुपए जमा किए गए थे।

**दिल्ली में संचालित होने का दावा, पता निकला फतेहपुर**

तनुश्री ने आरोप लगाया कि कोचिंग संस्था ने पहले खुद को तिलक नगर, दिल्ली से संचालित होने का दावा किया, लेकिन असल में इसका पता फतेहपुर था। पहले स्तर और दूसरे स्तर के ट्रेनर्स का डेमो दिखाकर उन्हें आकर्षित किया गया। लेकिन ऑनलाइन ट्रेनिंग के लिए एडवांस भुगतान लेने के बाद, प्रशिक्षक ज्योति और संगीता ने लगातार बहाने बनाकर ट्रेनिंग नहीं दी। तनुश्री को जब लगा कि उनसे धोखा हुआ है, तो उन्होंने आरोपियों की जानकारी प्राप्त की, जिसके बाद यह पता चला कि अंजली नागपाल नाम की एक और व्यक्ति भी इस प्रकार के धोखाधड़ी का शिकार हो चुकी थी। दिल्ली पुलिस में भी इनके खिलाफ शिकायतें दर्ज हैं। तनुश्री ने पहले खजराना पुलिस को शिकायत की, जिसके बाद मामला क्राइम ब्रांच को सौंपा गया। क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली जाकर फतेहपुर और तिलक नगर इलाकों में दबिश दी और आरोपियों के खिलाफ जानकारी जुटाई।

# नियमों को ताक पर रख खरीदी करोड़ों की दवाइयां

## अमृत फामेर्सी पर अस्पतालों की मेहरबानी, सरकार ने शुरू की जांच

**सिटी चीफ इंदौर।**

भोपाल। केंद्र सरकार की सरकारी कंपनी की आड़ में अमृत फॉमेर्सी से प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में भंडार क्रय नियमों का उल्लंघन कर करोड़ों रुपये की दवाएं और सामग्री खरीद ली गई। इसमें भंडार क्रय नियमों का पूरी तरह से उल्लंघन किया गया।

राज्य सरकार ने अमृत फॉमेर्सी से दवा खरीदी को लेकर वर्ष 2017 में पांच साल के लिए अनुबंध किया था, जो कि 2022 में समाप्त हो गया। इसके बाद सरकार को फामेर्सी द्वारा महंगी दवाएं सप्लाई करने की कई शिकायतें मिलीं, इसके बाद सरकार ने दवा सप्लाई करने को लेकर अमृत फॉमेर्सी से अनुबंध आगे नहीं बढाया। फिर भी कुछ सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अमृत फॉमेर्सी के अधिकारियों और चहते सप्लायरों ने सांठगांठ कर दवा और सामग्री सप्लाई कर दी। भंडार क्रय नियमों का उल्लंघन होने के बावजूद अस्पतालों के अधिकारियों ने भी इसमें आगे बढ़कर साथ दिया। साथ ही मनमानी दरों पर दवा खरीदी कर प्रदेश सरकार को राजस्व और आयुष्मान मरीजों को नुकसान पहुंचाया। अब इस मामले के संज्ञान में आने के बाद स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने खरीदी की प्रक्रिया को लेकर जांच शुरू कर दी है। विभाग के आयुक्त पूरी प्रक्रिया का परीक्षण करा रहे हैं।

**मनमानी दरों पर खरीदी को लेकर लंबे समय से मिल रही थी शिकायत**

अमृत फॉमेर्सी से अनुबंध समाप्त होने के दो साल बाद फरवरी 2024 में भंडार क्रय नियमों का पालन करते हुए खरीदी के लिए कुछ शर्तों के साथ सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया था। इन दिशानिदेर्शों और भंडार क्रय नियमों का भी खरीदी में खुला उल्लंघन किया जा रहा है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में दवाओं के मनमानी दरों पर खरीदी को लेकर लंबे समय से शिकायत मिल रही थी। इसकी पुष्टि नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में भी हो गई। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017-18 से वर्ष 2021-22 के बीच मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सप्लाई कॉरपारेशन द्वारा अनुबंधित दरों के बाद भी स्थानीय स्तर पर निविदा कर महंगी दरों पर दवाएं खरीदी गई। रिपोर्ट में साफ लिखा है कि अस्पतालों ने मध्य प्रदेश औषिध पोर्टल पर उपलब्ध दवाओं की अनदेखी कर स्थानीय निविदा दरों पर महंगी दवाएं खरीदी। इससे प्रदेश सरकार को करीब आठ करोड़ 57 लाख रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ। सीएजी की यह रिपोर्ट विधानसभा में पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सिर्फ प्रदेश के तीन मेडिकल कॉलेज, 10 जिला अस्पताल और 20 सीएचसी की सैंपल के तौर पर है।

**मामले का परीक्षण करा रहे आयुक्त**

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त तरुण राठी ने कहा कि दवा अधिक दरों पर खरीदने और अनुबंध खत्म होने के बाद भी खरीदने का मामला सामने आया है। इसका हम परीक्षण करा रहे हैं।

### आज होंगी दो खगोलीय घटना : गर्म सूर्य के पास आकर भी होगा ठंड का अहसास

# आज पृथ्वी की होगी सूर्य से नजदीकियां

**सिटी चीफ इंदौर।**

**भोपाल।** ठंड के इस मौसम में लगता है कि गर्मी देने वाला सूर्य शायद हमसे दूर हो गया है, लेकिन ऐसा है नहीं । आज (4 जनवरी) तो सूर्य की अंडाकार पथ में परिक्रमा करते हुये पृथ्वी इस साल के लिये सूर्य के सबसे नजदीक पहुंच रही है । नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने इस घटना की जानकारी देते हुये बताया कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करते हुये साल में एक दिन सूर्य के सबसे पास आती है और एक दिन सबसे दूर । आज (4 जनवरी) शाम 6 बजकर 58 मिनिट पर पृथ्वी सूर्य के सबसे पास के बिंदु पर पहुंच रही है और यह दूरी घटकर 14 करोड 71 लाख 3 हजार 686 किमी रह जायेगी । इसे पेरिहेलियन बिंदु पर आना कहते हैं ।

**तिरछी पड़ रही हैं सूर्य की किरणें**

सारिका ने बताया कि जुलाई में हम सूर्य के सबसे दूर होंगे इसे अफेलियन कहते हैं । आज अफेलियन की तुलना में हम लगभग 50 लाख किमी सूर्य से नजदीक रहते हुये भी यहां ठंड का अहसास इसलिये हो रहा है क्योंकि हमारे भूभाग पर सूर्य की किरणें इस समय तिरछी पड़ रही हैं।

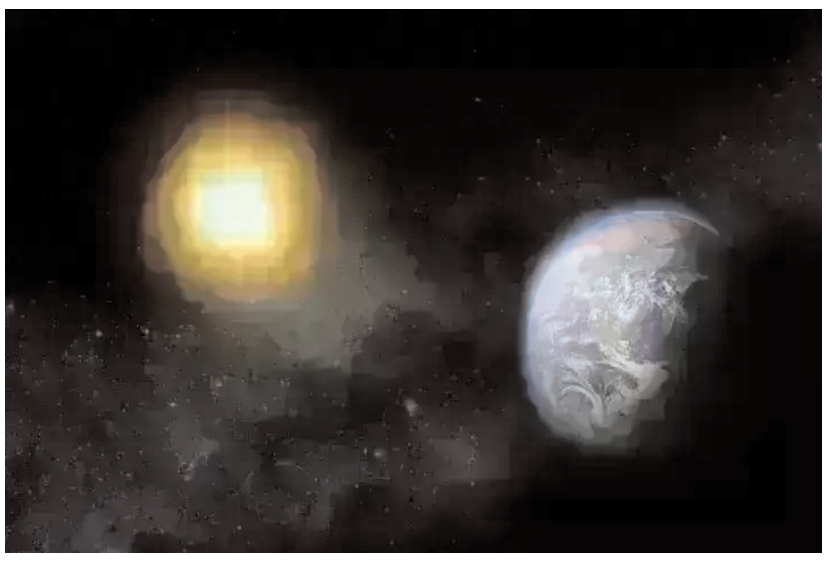

**सूर्यास्त के बाद से लगभग 2 घंटे तक देखा जा सकेगा**

शाम को इस घटना के साथ शनि ,चंद्रमा और शुक्र को एक लाईन में रहकर चमकते हुये भी देखा जा सकेगा । सेटर्न , क्रिसेंट मून और वीनस के लाईन अप होने की इस घटना को सूर्यास्त के बाद से लगभग 2 घंटे तक देखा जा सकेगा । तो पास आये सूरज का मनाईये पर्व शीतलता के साथ इसके साथ ही देखिये खगोलीय पिंडों की कतार शाम के आकाश में।

### अतिथि विद्वानों के लिए 25 प्रतिशत पद आरक्षित किए गए

# एमपीपीएससी ने असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर निकाली भर्ती

**सिटी चीफ इंदौर।**

भोपाल। मध्य प्रदेश के 562 सरकारी कॉलेजों में प्राध्यापकों के आधे से अधिक पद खाली है। मप्र लोक सेवा आयोग(एमपीपीएससी) ने सरकारी कॉलेजों में रिक्त सहायक प्राध्यापक पदों पर भर्तियां निकाली हैं। इसमें अतिथि विद्वानों के लिए 25 फीसद पद आरक्षित किए गए हैं। साथ ही इन्हें आयु सीमा में भी एक से 10 वर्ष तक छूट दी गई है, लेकिन इसके लिए उन्होंने एक शैक्षणिक सत्र में अध्यापन कराया या चार अंक अर्जित किए हों। अतिथि विद्वानों को इस आरक्षण का लाभ अगली तीन भर्तियों तक ही मिलेगा।

इनमें से दो परीक्षाएं इसी साल (मई-अक्टूबर 2025) में होगी। ये परीक्षा 1923 पदों के लिए होगी। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने मध्य प्रदेश शैक्षणिक सेवा(महाविद्यालयीन शाखा) सेवा भर्ती नियम 1990 में संशोधन किया है। बता दें, कि वहीं प्रदेश के कालेजों में करीब 4500 अतिथि विद्वान पढ़ा रहे हैं। इनमें से करीब 500 अतिथि विद्वानों के लिए सीटें आरक्षित होंगी। बता दें, कि प्रदेश में प्राध्यापक के 457 और सहायक प्राध्यापक के 3675 पद रिक्त हैं।

**इन विषयों के लिए होगी परीक्षा**

इसमें सहायक प्राध्यापक(क्रीड़ा अधिकारी, प्राणी शास्त्र, भौतिक शास्त्र, राजनीति शास्त्र, गणित, हिंदी, भूगोल, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, भौतिक रसायन, वाणिज्य रसायन शास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान विषय) के लिए मई में परीक्षा आयोजित होगी। वहीं अक्टूबर में यौगिक विज्ञान केंद्र, उर्दू, सांख्यिकी, संस्कृत, व्याकरण, संस्कृत साहित्य, संस्कृत प्राच्य, संस्कृत ज्योतिष, संगीत, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मराठी, भूगर्भ शास्त्र की परीक्षा होगी। अतिथि विद्वान प्रदेश में संघ के अध्यक्ष डॉ. देवराज सिंह ने बताया कि 4500 अतिथि विद्वान कार्यरत हैं।इनमें 25 प्रतिशत आरक्षण मिलने से 1100 से अधिक अतिथि विद्वानों को ही लाभ मिल पाएगा, क्योंकि सैकड़ों अतिथि विद्वान उम्र की सीमा को पार कर चुके हैं।

उन्हें भी मौका मिलना चाहिए, इसलिए उम्र की सीमा में और छूट मिलनी चाहिए। इससे पहले 2017 में परीक्षा कराई गई थी। इतने सालों बाद परीक्षा कराई जाएगी तो अतिथि विद्वान ओवर एज हो जाएंगे और वे कभी नियमित नहीं हो पाएंगे।

### मिशन का मुख्य उद्देश्य 15 से 29 वर्ष के युवाओं को सशक्त बनाना

# प्रदेश सरकार 12 से शुरू करेगी स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन

**सिटी चीफ इंदौर।**

भोपाल। मध्य प्रदेश में भावी पीढ़ी यानी युवाओं को सशक्त बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी) को स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन (मिशन युवा शक्ति) की शुरूआत की जाएगी। इसके तहत 15 से 29 वर्ष के युवाओं को चिह्नित कर सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। शिक्षा के साथ युवाओं के कौशल विकास पर फोकस कर मिशन चलाया जाएगा। युवा शक्ति मिशन युवा पीढ़ी को उभरती

प्रौद्योगिकियों, उद्यमिता और खेल के क्षेत्र में कौशल प्रदान करेगा। इससे उन्हें बदलते हुए रोजगार बाजार के लिए तैयार किया जा सकेगा। इसके साथ ही उनमें सक्षम नेतृत्व के गुण विकसित होंगे। मिशन की शुरूआत रवींद्र भवन भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। सरकार का मानना है कि युवा शक्ति मिशन युवाओं के सशक्तीकरण की मजबूत नींव सिद्ध होगा। मिशन से युवाओं में शिक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक सेवा की भावनाएं विकसित होंगी। साथ ही वह आधुनिक तकनीक के कुशल प्रयोग में सक्षम बनेंगे। युवा शक्ति मिशन के सफल क्रियान्वयन में आधुनिक तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कौशल विकास के पाठ्यक्रम युवाओं को सहजता से उपलब्ध हो सकें और वह उन्हें आसानी से समझ सकें, इसके लिए सरकार ने ऑनलाइन प्लेटफार्म लांच किए हैं। इसका लाभ यह भी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवाओं को इसकी सुविधाएं समान रूप से सुलभ होंगी।

**मिशन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी**

मिशन की सफलता के लिए सरकार ने सोशल मीडिया के माध्यमों का भी प्रभावी उपयोग करने की रणनीति बनाई है, जिससे युवाओं को मिशन से संबंधित जानकारी आसानी से उपलब्ध कराई जा सके। इससे युवाओं में मिशन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

# सर्द हवा और कोहरे से परेशान हुए वाहन चालक

**भोपाल।** कोहरे और सर्दी से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सर्द हवाओं ने शहर में डेरा डाल रखा है जिससे लोग ठिठुरने पर मजबूर हो रहे हैं। शाजापुर में गुरुवार रात को भी पूरा शहर कोहरे की चपेट में रहा। एक तरफ घना कोहरा उस पर 7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली सर्द हवाओं ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि ग्वालियर तरफ से आ रही सर्द हवाओं और कोहरे की वजह से मौसम के ये हाल थे।

### कर्मचारी चयन मंडल ने जारी किया टाइम टेबल

# प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए 28 से कर सकेंगे आवेदन

**सिटी चीफ इंदौर।**

भोपाल। सरकारी स्कूलों में इस साल करीब 15 हजार प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती होगी। इसके लिए कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने वर्ष 2025 में आयोजित होने वाली प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए टाइम टेबल जारी कर दिया है। साथ ही दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। इसके तहत स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय, खेल एवं संगीत गायन वादन) और प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत गायन-वादन एवं नृत्य) और जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय) और प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत गायन-वादन एवं एवं नृत्य) चयन परीक्षा-2024 के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है।

परीक्षा शुरू होने की संभावित तारीख 20 मार्च से

इसके तहत संबंधित अभ्यर्थी 28 जनवरी से 11 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। यह परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। आवेदन पत्र में संशोधन 28 जनवरी से 16 फरवरी तक होंगे। परीक्षा शुरू होने की संभावित तारीख 20 मार्च से है। इस परीक्षा के लिए नियम पुस्तिका जनवरी में ईएसबी की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

**अनारक्षित वर्ग को 500 रुपये शुल्क लगेंगे**

इस परीक्षा में अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 500 रुपये प्रति प्रश्नपत्र और एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये प्रति प्रश्न पत्र रहेगा। इस परीक्षण नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान संबंधित विभाग द्वारा किया जाएगा।

13 शहरों में होगी परीक्षा यह परीक्षा प्रदेश के 13 शहरों में आयोजित होगी। इनमें भोपाल,बालाघाट, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी और उज्जैन है।

दो पालियों में होगी परीक्षा

यह परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह नौ से 11 बजे और दूसरी पाली दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक होगी। पहली पाली के लिए अभ्यर्थियों का रिपोर्टिंग का समय सुबह सात से आठ बजे तक रहेगा, जबकि दूसरी पाली के लिए रिपोर्टिंग टाइम दोपहर एक से दो बजे तक होगा।

## सम्पादकीय

# अलोकतांत्रिक करतूतों पर फिर सोचे ढाका

**जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो रही है। दरअसल, सरकार पर उन छात्र नेताओं का भी बड़ा दबाव है, जिन्होंने शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था। जिसके बाद शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा था। कालांतर उन्होंने भारत में शरण ली थी। असल में, छात्र नेता दबाव बना रहे हैं कि वर्ष 1972 के बांग्लादेश के संविधान को फिर लिखा जाए। वे संविधान को मुजीबिस्ट चार्टर बता रहे हैं। आरोप है कि इसी ने भारत की आक्रामकता का मार्ग प्रशस्त किया। निश्चित रूप से मुजीब विरोधी आख्यान और भारत विरोधी बयानबाजी मिलकर बांग्लादेश की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं पर पानी फेर सकती हैं। ढाका को सलाह दी जानी चाहिए कि न तो वो दिल्ली से रिश्ते खराब करे और न ही मुजीब को इतिहास के कबाड़ के हवाले करे।**

बांग्लादेश में उग्र छात्र आंदोलन के बाद जो स्थितियां बनी हैं वे न तो इस देश के हित में हैं और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में। जनविद्रोह की स्थितियों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद लगातार बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसकी शुरूआत तब देखने को मिली, जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल 16 दिसंबर को बिजॉय दिबोश यानी विजय दिवस के मौके पर दिए गए संबोधन में युवा राष्ट्र के संस्थापक कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान का उल्लेख तक नहीं किया। उल्लेखनीय है कि यह दिवस भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके,लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर अमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी। इस तरह अराजकता व अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच नये विमर्श गढ़ने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, अंतरिम सरकार और कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश मुक्ति अभियान के दौरान जियाउर रहमान एक सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने 1971 के युद्ध में विशिष्टता के साथ सेवाएं दी थी। वे कालांतर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी बने थे। अपदस्थ सरकार के कर्ताधर्ता दलीलें दे रहे हैं कि उनके योगदान को राष्ट्र द्वारा उचित रूप से सम्मान देना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि इसके जरिये मुजीबुर्रहमान के योगदान को कम करने की कोशिशें भी की जा रही हैं। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार करना अनुचित ही होगा। दरअसल, यह सिर्फ सत्ता के केंद्र में आए व्यक्तियों की बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि बांग्लादेश में मुजीब के चित्र वाले नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने की कुत्सित कोशिशें की जा रही हैं। निश्चित रूप से गलत दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि तमाम निर्णय कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रहों से प्रेरित हैं। इसके बावजूद कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार खुद को बार-बार अराजनीतिक कहने से नहीं चूकती। यहां उल्लेखनीय है कि जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो

# नए साल में पर्यावरणीय चुनौतियां कम होने के आसार नहीं

**नए साल का आगमन न केवल नई उम्मीदों और अवसरों को लेकर आता है, बल्कि पर्यावरणीय चुनौतियों की बढ़ती जटिलताओं की भी याद दिलाता है। जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में गिरावट और संसाधनों की अति-खपत जैसे मुद्दे न केवल हमारे पर्यावरण को बल्कि मानव समाज और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रहे हैं। 2025 में दुनिया को कई महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जैसे औसत वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी, चरम मौसमी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति में वृद्धि और ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र स्तर में संभावित वृद्धि। साथ ही वनों की कटाई, प्लास्टिक प्रदूषण और असंतुलित शहरीकरण जैसी समस्याएं प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव डाल रही हैं। आज यह आवश्यक है कि हम पर्यावरणीय संरक्षण को वैश्विक और स्थानीय स्तर पर सर्वोच्च प्राथमिकता दें। यह न केवल एक चेतावनी है बल्कि एक अवसर भी है कि हम प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का नया अध्याय शुरू करें।**

नए साल का आगमन न केवल नई उम्मीदों और अवसरों को लेकर आता है, बल्कि पर्यावरणीय चुनौतियों की बढ़ती जटिलताओं की भी याद दिलाता है। जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में गिरावट और संसाधनों की अति-खपत जैसे मुद्दे न केवल हमारे पर्यावरण को बल्कि मानव समाज और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रहे हैं। 2025 में दुनिया को कई महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जैसे औसत वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी, चरम मौसमी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति में वृद्धि और ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र स्तर में संभावित वृद्धि। साथ ही वनों की कटाई, प्लास्टिक प्रदूषण और असंतुलित शहरीकरण जैसी समस्याएं प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव डाल रही हैं। आज यह आवश्यक है कि हम पर्यावरणीय संरक्षण को वैश्विक और स्थानीय स्तर पर सर्वोच्च प्राथमिकता दें। यह न केवल एक चेतावनी है बल्कि एक अवसर भी है कि हम प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का नया अध्याय शुरू करें।

जलवायु परिवर्तन पिछले कुछ दशकों में एक प्रमुख वैश्विक समस्या बन गई है। वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ता स्तर धरती के तापमान को बढ़ा रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आगे वैश्विक तापमान 1.5त् सेंटीग्रेट से ऊपर बढ़ने की संभावना है। यह समस्या न केवल पर्यावरण, बल्कि समाज, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य पर भी व्यापक प्रभाव डाल रही है। इस दौर में नए साल में भी औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि जारी रहेगी।

यह प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को असंतुलित कर सकती है और खेती, जल स्रोतों, तथा मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस स्थिति में गर्मी की चरम घटनाओं की तीव्रता और अवधि में वृद्धि होगी। वैश्विक तापमान वृद्धि से ध्रुवीय बर्फ और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से समुद्र स्तर में वृद्धि होगी, जिससे तटीय क्षेत्रों का खतरा बढ़ेगा।

छोटे द्वीप और निचले तटीय क्षेत्र (जैसे मालदीव) डूबने के कगार पर आ सकते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण तूफान, बाढ़, सूखा और जंगलों में आग लगने की घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्र हो सकती हैं। इनसे कृषि उत्पादन और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हो सकता है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव हर स्तर पर महसूस किया जा रहा है। इसे रोकने और इसके प्रभाव को कम करने के लिए तत्काल और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

बढ़ते तापमान और अनियमित वर्षा चक्र के कारण जल स्रोतों का संकट गहराने के आसार हैं। हिमनदों के पिघलने से नदियों का जलस्तर प्रभावित होगा, जो करोड़ों लोगों के लिए जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत हैं। पृथ्वी पर उपलब्ध 97 प्रतिशत पानी खारा है और केवल 3 प्रतिशत पानी पीने योग्य है। हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और यमुना जैसी नदियों का प्रवाह प्रभावित हो सकता है। भारत में विश्व के कुल भूजल का 25 प्रतिशत उपयोग किया जाता है, जो 2025 में संकट की स्थिति में पहुंच सकता है। बड़े शहरों में पानी की मांग बढ़ने के कारण झीलें और जलाशय सूख रहे हैं।

वर्ष 2025 में प्रदूषण से जुड़ी कई चुनौतियां सामने आ सकती हैं, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेंगी। वर्ष 2024 में दिल्ली सहित कई भारतीय शहर विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार थे। हर साल लगभग 8 मिलियन टन प्लास्टिक महासागरों में फेंका जाता है। प्रदूषण के विभिन्न प्रकारों के कारण होने वाले प्रभाव और उनकी चुनौतियों पर नजर डालते हैं।

बढ़ते औद्योगिकरण और वाहनों की संख्या में वृद्धि से शहरों में वायु गुणवत्ता और खराब हो सकती है। वायु प्रदूषण से श्वसन रोग, हृदय संबंधी समस्याएं और बच्चों में अस्थमा जैसी बीमारियां बढ़ेंगी। फेफड़ों के लिए घातक धूल पीएम 2.5 और पीएम-10 जैसे कण वातावरण में बढ़ सकते हैं जिससे दृश्यता और हवा की शुद्धता प्रभावित होगी। औद्योगिक कचरा, कृषि में उपयोग किए गए रसायन और घरेलू कचरे के कारण जल स्रोतों का प्रदूषण बढ़ सकता है। समुद्र में प्लास्टिक कचरे और तेल रिसाव से समुद्री जीवों और प्रवाल भित्तियों को नुकसान हो सकता है। वाहनों, निर्माण कार्यों और औद्योगिक गतिविधियों से शोर प्रदूषण में वृद्धि होगी।

सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग और गलत तरीके से निपटान पर्यावरण के लिए एक बड़ी समस्या बना रहेगा। पर्यावरणीय मानकों का पालन न करने वाले उद्योगों से विषाक्त पदार्थों का उत्सर्जन बढ़ेगा। बिना उपचारित पानी और रसायन नदियों और जलाशयों को दूषित करेंगे। पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुपचारित निपटान से भारी धातुओं (जैसे सीसा और पारा) का प्रदूषण बढ़ सकता है। प्रदूषण एक वैश्विक संकट है और इसे रोकने के लिए सरकार, उद्योग और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा।

नए साल में भी बायोडायवर्सिटी (जैव विविधता) की कमी पारिस्थितिकी तंत्र को असंतुलित कर सकती है। वनों की कटाई और शहरीकरण के कारण कई प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। मधुमक्खियां और अन्य परागणकर्ता विलुप्त हो रहे हैं, जिससे फसलों का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। दुनिया की 80 प्रतिशत ऊर्जा अभी भी जीवाश्म ईंधन से आती है। इसके जलने से ग्रीनहाउस गैसें उत्सर्जित होती हैं। सौर और पवन ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है, लेकिन यह अभी भी पर्याप्त नहीं है। जबकि इलेक्ट्रिक वाहन बढ़ रहे हैं, उनकी बैटरी के लिए खनिजों का दोहन पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकता है।

बदलते मौसम चक्र, अत्यधिक तापमान, अनियमित वर्षा और प्राकृतिक आपदाएं कृषि उत्पादकता को सीधे प्रभावित करती हैं। मानसून की अनिश्चितता से फसल बुआई और कटाई के समय में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इससे फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में गिरावट आती है। सूखा या अत्यधिक बारिश फसलों को नुकसान पहुंचाती है। बढ़ता तापमान गेहूँ, धान, मक्का और अन्य फसलों की पैदावार कम कर सकता है, क्योंकि कई फसलें अधिक गर्मी सहन नहीं कर पातीं।

भारी बारिश और बाढ़ मिट्टी की ऊपरी उपजाऊ परत को नष्ट कर देती है। हिमनदों के पिघलने और जल स्रोतों के सूखने से सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता घट सकती है। नदियों का प्रवाह घटने से कृषि उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। बदलते मौसम से कीटों और रोगजनकों की संख्या और फैलाव बढ़ सकता है। उच्च आर्द्रता और तापमान की वजह से फसलों में रोग लगने की संभावना अधिक हो सकती है। कम उत्पादन के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होंगे। यदि समय पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट और आर्थिक अस्थिरता गहरा सकती है। सतत और सामूहिक प्रयासों से ही इस चुनौती का समाधान संभव है।

पर्यावरणीय समस्याएं वैश्विक और जटिल हैं, लेकिन इन्हें हल करना असंभव नहीं है। 2025 में हमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी का उपयोग करके इन चुनौतियों का सामना करना होगा। यदि हम अभी ठोस कदम उठाते हैं, तो एक टिकाऊ और हरित भविष्य की संभावना बनी रह सकती है।

# कुंभ की मूल भावना स्नान ध्यान और त्याग बनी रहे

13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन होने जा रहा है। केंद्र की नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार महाकुंभ मेले को दिव्य और भव्य बनाने के प्रयासों में दिन-रात जुटी है। महाकुंभ मेला क्षेत्र इन दिनों दूधिया रोशनी में नहाया हुआ है। विशाल पंडाल, टेंट सिटी, अखाड़ों और संस्थाओं के साथ कल्पवासियों की तंबू नगरी आकार ले चुकी है। हर ओर भव्यता दिखाने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन क्या कुंभ भव्यता का पर्व है?

इस विषय पर भिन्न मत हैं, क्योंकि कुंभ की परंपरा स्नान, ध्यान और दान के मेले के रूप में है। यह विश्व कल्याण के लिए वैचारिक मंथन का महापर्व है। ऐसा महापर्व, जिसमें बिना निमंत्रण के करोड़ों लोग पावन गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए आते हैं। प्रश्न यह है कि क्या घोर बाजारवाद के इस दौर में कुंभ मेला अपनी मूल भावना से दूर हो गया है?

प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में प्रत्येक 12-12 वर्ष में कुंभ का आयोजन होता है। हरिद्वार और प्रयागराज में प्रत्येक 6-6 वर्ष में अर्द्धकुंभ भी लगता है। हालांकि, कुंभ स्नान पर्व की परंपरा कब प्रारंभ हुई? इसका कोई निश्चित प्रमाण कहीं उपलब्ध नहीं है। वेदों में अवश्य कई स्थानों पर कुंभ शब्द का प्रयोग हुआ है। जल प्रवाह से उसका संबंध भी है। एक जगह कुंभ शब्द चार की संख्या भी निर्दिष्ट है, लेकिन न तो उसका संबंध अमृत मंथन की कथा से जुड़ पाता है, न ही हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक के चारों कुंभ पर्वों से कोई संगति बन पाती है। हां, पुराणों में कुंभ स्नान का सविस्तार उल्लेख है। स्पष्ट है कि कुंभ स्नान पर्व की परंपरा पुराणों की रचना के पूर्व से प्रचलित है। पुराणों का संकलन गुप्तकाल (320-510 ईस्वी) के मध्य माना जाता है।

स्कंदपुराण के अनुसार जब बृहस्पति मेष राशि पर स्थित हो, सूर्य एवं चंद्र मकर राशि पर स्थित हों, माघ अमावस्या का दिन हो, तब इस विशिष्ट ग्रहयोग में प्रयाग के त्रिवेणी संगम पर कुंभ स्नान पर्व का ग्रहयोग बनता है। कुंभ में तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को दो मुख्य लाभ होते हैं, एक, संगम स्नान और दूसरा, संत-समागम। हमारे यहां देवी-देवताओं के दर्शन व पूजन के पूर्व स्नान की परंपरा रही है।

ग्रह-नक्षत्रों के योग के अनुसार जलस्रोतों में पवित्र स्नान की परंपरा विशेष रूप से है। स्नान पर्वों में कुंभ स्नान का महत्व सर्वोपरि है। साथ ही, कुंभ दर्शन प्रकारांतर से आत्म दर्शन का पर्याय बन गया है। जैसा, लेखक जगदीश गुप्त ने अपनी पुस्तक 'कुंभ-दर्शन' में लिखा है, 'देश-दुनिया के अन्य मेलों की तरह कुंभ मेले में मीना बाजार, घोड़ा बाजार, चिड़िया बाजार और काठ बाजार नहीं लगते और न संगीत-नृत्य के लिए वारांगनाएं सुलभ होती हैं। लीलाओं का प्रदर्शन अवश्य होता है। रामकथा या भागवत कथा का ललित रूप भी सुनने में आता है। कुंभ मेले की प्रकृति दूसरे मेलों से भिन्न है। बाजारवाद के बावजूद कुंभ मेले की मूल भावना अभी तक जाग्रत है। यदि ऐसा न होता तो करोड़ों लोग कठिन परिस्थितियों के बावजूद बिना निमंत्रण एकत्र न होते।'

हालांकि, कुंभ को महान स्नान पर्व और विराट धार्मिक मेले के रूप में प्रसिद्धि दिलाने का श्रेय आदि शंकराचार्य (780-820 ईस्वी) को दिया जाता है। आदि शंकराचार्य ने ही धार्मिक वाद-विवाद और संवाद के लिए साधु-संन्यासियों को नियत समय पर एकत्र करके सनातन धर्म को सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया था। धार्मिक चर्चा-परिचर्चा के लिए कुंभ उपयोगी सिद्ध हुआ है।

कुंभ के दौरान साधु-संन्यासी धर्म संसद में विमर्श के बाद समाज को नई दिशा देने का काम करते आए हैं। कुंभ मेला तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को जहां स्नान-ध्यान और दान का मौका देता है, वहीं साधु-संन्यासियों के विचार रूपी अमृत के पान का अवसर भी मिलता है। हिंदू चेतना के प्रचार और प्रसार में कुंभ का योगदान अतुलनीय है।

वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री मोदी का प्रयास रहा है कि दुनिया को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति से परिचित कराया जाए। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हो या अयोध्या में भगवान राम का मंदिर या उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर या देशभर में विकसित किए जा रहे अन्य धार्मिक स्थल व धाम, प्रधानमंत्री मोदी अर्थशास्त्र को साथ लेकर चल रहे हैं। यह सही है कि धार्मिक पर्यटन से देश में लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है, लेकिन सनातन धर्म में वैभवता से अधिक त्याग को महत्व दिया गया है। इसके उल्ट महाकुंभ प्रयागराज को भव्य दिखाने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। टेंट सिटी से लेकर डोम सिटी तक बनाई जा रही हैं, जिनमें फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाओं मुहैया कराने के दावे हो रहे हैं। इनका किराया लाखों रुपए में है। निश्चित ही सरकार प्रयागराज में महाकुंभ मेले को दिव्य के साथ भव्य भी बनाए, लेकिन कुंभ की मूल भावना स्नान, ध्यान और त्याग को साथ लेकर चला जाए। यह दायित्व सरकार के साथ साधु-संन्यासियों और समाज का भी है।

# इस साल देश को मिले 180 आईएएस 200 आईपीएस अधिकारी

साल 2024 भारतीय प्रशासनिक और पुलिस सेवा के लिए बेहद खास रहा। इस साल देशभर से 180 आईएएस और 200 आईपीएस अधिकारियों का चयन हुआ। लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की। वहीं, अनिमेष प्रधान दूसरी और अनन्या रेड्डी को तीसरी रैंक मिली। इन नवचयनित अधिकारियों ने कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता से यूपीएससी परीक्षा पास कर प्रशासनिक सेवाओं में जगह बनाई। 2024 के यूपीएससी रिजल्ट में उत्तरप्रदेश और राजस्थान से सबसे अधिक सफल उम्मीदवार निकले। इन राज्यों ने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के रूप में सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व किया। यूपी से सबसे ज्यादा 27 आईएएस अफसर बने हैं। वहीं दूसरे स्थान पर राजस्थान से 23 अभ्यर्थी आईएएस अफसर बने है। बिहार से 11 और मध्य प्रदेश से 7 उम्मीदवार अफसर बने हैं। इस साल टॉप 5 रैंक में आने वाले 3 कैंडिडेट्स पहले से ही आईपीएस ऑफिसर हैं। रैंक 1 हासिल करने वाले आदित्य श्रीवास्तव, रैंक 4 पी के सिद्धार्थ रामकुमार और रैंक 5 रूहानी हैदराबाद में नेशनल पुलिस एकेडमी में ट्रेनिंग पूरी कर रहे थे। पिछले 11 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है कि सर्विस में रहते हुए किसी आईपीएस ने इस एग्जाम में ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की है। इससे पहले साल 2013 में आईपीएस गौरव अग्रवाल ने सिविल सर्विसेज एग्जाम में ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की थी।

**सिर्फ 180 आईएएस ही क्यों?**

एक केंद्रीय मंत्री ने बताया था कि काबिल और योग्य आईएएस ऑफिसर्स को एक बेहतर संख्या में लेने के लिए सरकार ने बासवान समिति की सिफारिशों को मानते हुए सीएसई-2012 के बाद से सिविल सर्विसेस एग्जाम के जरिए आईएएस ऑफिसर्स के एनुअल इनटेक को बढ़ाकर 180 कर दिया था। हालांकि, कमिटी द्वारा यह भी सिफारिश की गई थी कि 180 से अधिक आईएएस ऑफिसर्स को एक बार में लेना प्रशासनिक सेवा की गुणवत्ता से समझौता करने जैसे होगा।

# राजनीतिक साजिशों का गहरा नेटवर्क है डीप स्टेट, दुनियाभर में गिरने वाली सरकारों से क्या है संबंध?

भारत की गिनती दुनिया के बड़े लोकतांत्रिक देशों में की जाती है। अचानक से इसे किसी डीप स्टेट नाम की अंजान शक्ति से क्या खतरा है? भारत ही नहीं, यह टर्म इन दिनों दुनिया के कई देशों में काफी चर्चा में है। एलन मस्क डीप स्टेट को दुनियाभर के लोकतंत्र के लिए खतरा मानते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के समय डीप स्टेट को खत्म करने की बात कही थी। यही नहीं, डोनल्ड ट्रंप पर जो हाल में हमला हुआ, उसमें भी डीप स्टेट की भूमिका बताई गई थी। क्या सच में डीप स्टेट का कोई वजूद है? या यह एक कॉन्सपिरेसी थ्योरी है? कई जियोपॉलिटिकल एक्सपर्ट की मानें तो हाल ही में पाकिस्तान, बांग्लादेश और सीरिया में जो सरकारें गिरी हैं, उनमें डीप स्टेट का हाथ बताया जा रहा है। इससे पहले दुनिया के कई देशों में अमेरिका द्वारा जो सरकारें गिराई गईं उनमें भी कहीं न कहीं डीप स्टेट के पर्सनल इंटरेस्ट थे। अब सवाल है कि आखिर डीप स्टेट है क्या? कैसे इसकी शुरुआत हुई और क्यों दुनिया के कई देशों की सरकारों को यह टर्म काफी डराता है? डीप स्टेट अमेरिकन इंटेलिजेंस एजेंसी का नेटवर्क है। इसमें CIA, FBI, NSA आदि शामिल हैं। कहा जाता है कि अमेरिका में जो लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार है उससे ज्यादा शक्ति डीप स्टेट के पास है। दुनियाभर में जो सरकारें गिर रही हैं, युद्ध हो रहे हैं, उनके पीछे अमेरिकी सरकार से ज्यादा डीप स्टेट का एजेंडा छिपा हुआ है। अब सवाल उठता है कि आखिर अमेरिकी सरकार से ज्यादा उसकी इंटेलिजेंस एजेंसी के पास कैसे इतनी ज्यादा शक्ति है? इसके पीछे एक बेहद ही रोचक इतिहास छिपा हुआ है। आइए जानते हैं -

7 दिसंबर, 1941 अमेरिका के पर्ल हार्बर नेवल बेस पर सबकुछ अच्छा चल रहा था।

# दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम के तहत जिलाधिकारी ने जनपद में 16 स्थानों हेतु साप्ताहिक बन्दी के दिन किये घोषित

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद में स्थित दुकान एवं अधिष्ठानों की साप्ताहिक बंदी के संबंध में जनहित को दृष्टिगत रखते हुए अपवादों को छोडकर वर्ष 2025 के लिए जनपद के विभिन्न स्थानों के लिए साप्ताहिक बंदी दिवस स्वीकृत किये है। डीएम मनीष बंसल ने आदेश जारी करते हुए जानकारी दी कि बेहट, रामपुर मनिहारान, गंगोह, नागल एवं छुटमलपुर के समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठानों के लिए सोमवार को, सहारनपुर-1 सहारनपुर नगर निगम क्षेत्र की समस्त दुकानें एवं वाणिज्य अधिष्ठान समस्त ब्यूटी पार्लर व नाई की दुकान, कोर्ट रोड स्थित

पुस्तक व स्टेशनरी विक्रेताओं को छोडते हुए मंगलवार को, सहारनपुर-1 कोर्ट रोड स्थित पुस्तक व स्टेशनरी की दुकानें रविवार को, सहारनपुर-2 शक्तिचालक प्रतिष्ठान, हौजरी उद्योग, समस्त वुड कार्विंग की दुकानें, आरा मशीनें, वाणिज्य अधिष्ठान जो शक्ति चलित है के लिए शुक्रवार को साप्ताहिक बन्दी घोषित की गयी है। जिलाधिकारी ने कहा कि इसी प्रकार तीतरों, सरसावा, अम्बेहटा पीर की समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान बुधवार को, नानौता की समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान बृहस्पतिवार को, नकुड की समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान शुक्रवार को, चिलकाना की समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान शनिवार को, देवबन्द की समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान रविवार को, गागलहेडी की समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान शनिवार को बन्द रहेंगे।

# भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर वर्ष भर आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**
सहारनपुर, मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म शताब्दी वर्ष 25 दिसम्बर 2025 तक मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। जन्म शताब्दी वर्ष समारोह पूर्वक मनाये जाने का निर्णय उनके विराट व्यक्तित्व एवं विचारों को जन-जन तक पंहुचाने तथा युवा पीढी को प्रेरणा प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने मण्डल के तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि मण्डल में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी मनाये जाने हेतु समस्त विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग की प्रस्तावित एवं निर्धारित कार्य योजना के अनुरूप कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। मण्डलायुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि 26 जनवरी 2025 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर श्री अटल जी के सुशासन से संबंधित विचारों एवं नीतियों पर विचार-गोष्ठी तथा तत्संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 03 फरवरी को भारत रत्न श्री अटल बिहारी

वाजपेयी को समर्पित कवि कुम्भ का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 27 मार्च को अटल बिहारी वाजपेयी जी के व्यक्तित्व एवं उपलब्धियों पर विचार-गोष्ठी का आयोजन, 05 जून को पर्यावरण दिवस के अवसर पर वाजपेयी जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर कार्यक्रमों का आयोजन, 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर संगोष्ठी तथा अन्य कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन,15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वाजपेयी जी के सुशासन से संबंधित विचारों व नीतियों पर कार्यक्रमों का आयोजन, 16 अगस्त को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि पर अवसरानुकूल कार्यक्रमों का आयोजन, 02 अक्टूबर को वाजपेयी जी की महत्वपूर्ण इक्यावन कविताओं के काव्य पाठ संबंधित कार्यक्रम का आयोजन, 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के सर्व शिक्षा अभियान की उपलब्धियों पर कार्यक्रमों का आयोजन, 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर वाजपेयी जी के देश के विकास में योगदान पर कार्यक्रमों का आयोजन, 25 दिसम्बर 2025 को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयन्ती/जन्म शताब्दी वर्ष के समापन के अवसर पर समारोहपूर्वक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

# लक्षणयुक्त या हाईरिस्क लोगों का टैस्ट एवं एक्सरे अधिकतम क्षमता पर करें - जिलाधिकारी मनीष बंसल

## 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला हुई आयोजित

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**
सहारनपुर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 तक भारत को जनहित मे टीबी मुक्त करने के उद्देश्य को साकार करने के क्रम मे शासन के निर्देशों के अनुपालन मे जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जनमंच सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद के ग्राम प्रधानों, सी0एच0ओ0, ए0एन0एम0, शिक्षकों, ग्रह विभाग के अंतर्गत जिला कारागार के प्रतिनिधियों को कार्यशाला के माध्यम से 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान मे क्या क्या कार्य करने है और कैसे रोजाना की रिपोर्टिंग करनी है इस बाबत जानकारी दी गयी।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, पुराने टीबी रोगी, टीबी रोगी के साथ रहने वाले व्यक्ति, डायबिटीज, एचआईवी ग्रस्त व्यक्ति, नशा करने वाले व्यक्ति

आदि को समय से चिन्हित कर स्क्रीनिंग करते हुए ईलाज किया जाए। संबंधित सभी विभाग बेहतर आपसी समन्वय कर अभियान को सफल बनाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करें। लक्षणयुक्त या हाईरिस्क लोगों का टैस्ट, एक्सरे अधिकतम क्षमता पर किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रवीण कुमार ने सभी से जुट के इस अभियान मे योगदान देने की अपील की। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ0 सर्वेश कुमार सिंह ने कार्यशाला के माध्यम से बताया कि किस प्रकार जिले की कुल आबादी से 10 प्रतिशत जनसंख्या को चिन्हित करके आशा, संगनी, आंगनवाडी कार्यकत्री, एएनएम के माध्यम से टीबी के लक्षण पूछ के लाइन लिस्ट करके उन्हें नज़दीक के आरोग्य मंदिर में भी सी0एच0ओ0 के पास भेजा जायेगा जहां से सन्दिगध मरीज़ो के बलगम के नमूने सपूटम ट्रांसपोर्टर के माध्यम से नजदीकी सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 पर जाँच के लिए भेजे जायेंगे एवं एक्स-रे हेतु भी मरीज़ों को संबंधित एक्स-रे सुविधा युक्त नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर भेजा जायेगा, टीबी पाये जाने पर टीबी विभाग इलाज शुरू करेगा। रोज की पूरी रिपोर्टिंग निक्षय पोर्टल के माध्यम से होगी। इस अवसर परएसीएमओ डा0 पूजा शर्मा, डा धर्मवीर, डा कपिल देव, डा कुणाल, डा0 सुशील गुप्ता, वरिष्ठ क्षय रोग लैब पर्यवेक्षक एमपी सिंह चावला, आईटीसी से पामीश, एचटीसी से परम बत्रा, नागरिक सुरक्षा से मोहमद आलम सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

# संगठित रूप से अवैध खनन करने वालों पर लगेगी गैंगस्टर

## नंबर प्लेट न होने, स्पष्ट रूप से दिखाई न देने या गलत होने पर परमिट होगा निरस्त, नियमानुसार की जाएगी कड़ी कार्यवाही

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अवैध खनन एवं परिवहन को रोकने हेतु जिला टास्कफोर्स की बैठक आहूत की गयी। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने कहा कि संगठित रूप से अवैध खनन करने वालों पर गैंगस्टर की कार्यवाही की जाए। नंबर प्लेट न होने, स्पष्ट रूप से दिखाई न देने या गलत होने पर परमिट निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाए तथा संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होने उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी को 03 दिनों के अंदर निर्धारित स्थलों पर चैक पोस्ट स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चैकपोस्ट पर कार्मिकों की संख्या बढाते हुए रजिस्टर भी बनवाया जाए जिससे आने-जाने वाले वाहनों का रिकार्ड मैनटेन किया जा सके। उन्होने जीएसटी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके द्वारा अवैध खनन से संबंधित पकडी जाने वाली गाडियों की सूचना तत्काल उपजिलाधिकारी एवं खनन अधिकारी को दी जाए। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि तहसील प्रशासन, पुलिस एवं

खनन विभाग आपसी बेहतर समन्वय से अवैध खनन पर पूर्ण अंकुश लगाएं। इसी के साथ चैक पोस्ट पर तैनात कार्मिकों को भी उनकी जिम्मेदारियों एवं दायित्वों से भी भली भांति प्रकार से अवगत कराया जाए। उन्होने खनन अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी स्टोन क्रेशरों पर 360 डिग्री व्यूज के साथ सीसीटीवी कैमरे संचालित रहें। इसी के साथ निर्धारित स्टोन क्रेशरों पर वाहनों के आने-जाने के लिए निर्धारित रास्ता हो। उन्होने निर्देश दिए कि ओवरलोडेड वाहनों के अवैध संचालन पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों पर कडी कार्यवाही की जाए। उन्होने कहा कि जिन ईंट-भट्ठा स्वामियों द्वारा विनियमन शुल्क जमा नहीं कराया गया है उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, एसपी देहात सागर जैन, उपजिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा, उपजिलाधिकारी नकुड संगीता राघव, उप जिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी देवबन्द दीपक कुमार, उप जिलाधिकारी रामपुर मनिहारान युवराज सिंह, एआरटीओ प्रशासन एमपी सिंह, खनन अधिकारी सुभाष सिंह सहित समस्त सीओ उपस्थित रहे।

# नारायणपुर को मिली पहली महिला कलेक्टर

## प्रतिष्ठा ममगाईं ने संभाला कार्यभार

**गणेश वैष्णव । सिटी चिफ**
नारायणपुर, राज्य सरकार द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश के तहत् जिले की नवपदस्थ कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने आज अपना कार्यभार संभाल लिया है। वे नारायणपुर जिले की 16वीं और पहली महिला कलेक्टर हैं। प्रतिष्ठा ममगाईं 2018 बैच की आई.ए.एस. अधिकारी हैं, वे इसके पूर्व जिला पंचायत बस्तर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर पदस्थ थे।
कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् प्रतिष्ठा ममगाईं ने कलेक्टर कोर्ट, अपर कलेक्टर कक्ष एवं कलेक्टोरेट स्टॉफ कक्ष, नजूल शाखा, प्रतिलिपि शाखा, स्थानीय निर्वाचन एवं सामान्य निर्वाचन, भू-अभिलेख शाखा, अभिलेखागार, डायवर्सन शाखा, एसडीएम कार्यालय, न्यायालय, जिला आबकारी कार्यालय, खनिज विभाग, आदिवासी विकास विभाग, परियोजना कार्यालय, जिला शिक्षा विभाग, जिला विपणन, खाद्य, श्रम विभाग,

जनसंपर्क, पालना घर, अंत्यावसायी, जिला आयुर्वेद, जिला योजना एवं सांख्यिकी, वित शाखा, राजस्व शाखा, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जिला कोषालय, एनआईसी कक्ष, स्वॉन कक्ष, अधीक्षक कक्ष, स्टेनो कक्ष, लोक सेवा केन्द्र आदि कार्यालयों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान जिला कोषालय के डबल लॉकर कक्ष का अवलोकन किया। उन्होंने अपर कलेक्टर से समय सीमा की बैठक के निराकरण संबंधी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान लोक सेवा केन्द्र में प्राप्त आवेदनों की संख्यात्मक जानकारी लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन, अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई, अभिषेक गुप्ता, एसडीएम अभयजीत मण्डावी, डिप्टी कलेक्टर डॉ. सुमित गर्ग, गौतम पाटिल, वरिष्ठ निज सहायक दीपक हिरवानी सहित अधिकारीगण मौजूद थे।

# नया पर्यटन स्थल तिरिया बना आकर्षण का केंद्र सैर-सपाटे के साथ पिकनिक का नया डेस्टिनेशन

## वन विभाग पर्यटन समिति के माध्यम से कर रही पर्यटक सुविधाओं को विकसित

**गणेश वैष्णव । सिटी चिफ**
जगदलपुर, नव वर्ष के आगमन के साथ ही बस्तर जिले का नया पर्यटन स्थल तिरिया पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बन गया है। हरे-भरे जंगल, शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह स्थान लोगों को शहरी जीवन की भाग-दौड़ से दूर शांति और सुकून का अनुभव करा रहा है। तिरिया अपनी प्राकृतिक झरनों, घने जंगलों और पहाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यह सैर सपाटे और पिकनिक के लिए एक नया डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है। नव वर्ष की छुट्टियों में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक अपने परिवार और दोस्तों के साथ प्रकृति का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। इसे मद्देनजर रखते हुए प्रशासन द्वारा स्थानीय पर्यटन समिति के माध्यम से इस पर्यटन स्थल की विशेष रूप से साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक पहल किया गया है, जिससे पर्यटकों को सहूलियत हो सके। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से करीब 40 किलोमीटर वनांचल में स्थित तिरिया तक दुपहिया या टैक्सी के माध्यम से आसानी के साथ पहुंचा जा सकता हैस्थानीय पर्यटन समिति के सदस्य लोकूराम बताते हैं कि शासन द्वारा ग्रामसभा को सामुदायिक वन संसाधन पत्र प्रदान किया गया है। जिससे उनकी समिति के युवा यहां पर्यटकों को

बम्बू राफ्टिंग और नौका विहार करवा रहे हैं। साथ ही पर्यटकों को स्थानीय व्यंजन परोस कर उन्हें पारम्परिक बस्तरिया स्वाद से वाकिफ करवा रहे हैं। इसके जरिए समिति के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है और अच्छी आमदनी भी हो रही है। उन्होंने बताया कि तिरिया पर्यटन स्थल का प्राकृतिक सौंदर्य सालभर पर्यटकों को आकर्षित करता है, लेकिन सर्दियों के मौसम में इसकी खूबसूरती और भी निखर जाती है। झरनों से गिरता हुआ पानी और हरियाली का दृश्य एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। वन विभाग ने पर्यटन समिति के युवाओं के जरिए इस बार तिरिया में कई नई सुविधाएं भी जोड़ी हैं, जिनमें बेहतर पार्किंग सुविधा, बम्बू राफ्टिंग, नौका विहार और गाइड सेवाएं शामिल हैं। इसके अलावा, स्थानीय व्यंजन और स्थानीय संस्कृति से रूबरू करा रहे हैं। पर्यटन समिति आगामी दिनों में ट्रैकिंग और कैम्पिंग की सुविधाएं मुहैया कराने की तैयारी कर रही है। पर्यटकों ने इस स्थल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह जगह न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए खास है, बल्कि पिकनिक मनाने वाले लोगों का भी पंसदीन्दा स्थल बन चुका है। ट्रैकिंग और कैम्पिंग जैसी गतिविधियों के शुरू होने से अधिकाधिक युवा वर्ग तिरिया में ज्यादा आकर्षित होंगे। पर्यटन समिति के युवा पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को ध्यान में रखते हुए तिरिया को विकसित करने की योजना बनाई है। इस पहल से स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन समिति द्वारा यहां पर स्वच्छता एवं साफ-सफाई रखने के लिए पर्यटकों से अपील करते हुए प्रकृति के इस अनुपम धरोहर के संरक्षण में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है। वास्तव में नव वर्ष पर तिरिया की बढ़ती लोकप्रियता यह साबित करती है कि बस्तर के पर्यटन स्थलों में अपार संभावनाएं हैं, जो आने वाले समय में राज्य के पर्यटन उद्योग को एक नई दिशा दे सकती है।

# पूर्व उपसरपंच बकोड़ा किशोर डहरवाल का दुःखद निधन

## स्थानीय मोक्षधाम बकोड़ा में हुआ अंतिम संस्कार...बड़ी पुत्री सैम्पी डहरवाल ने दी मुखअग्नि

**लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ**
लालबर्रा, लालबर्रा जनपद से 04 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम बकोड़ा निवासी समाजसेवी, मेडिकल संचालक और पूर्व उपसरपंच किशोर डहरवाल का दुःखद निधन 31 दिसम्बर कों हो गया जिनका अंतिम संस्कार मोक्षधाम बाकोड़ा में किया गया जानकारी के अनुसार श्री डहरवाल पिछले कुछ माह से बीमार चल रहे थे जिनका इलाज जारी था इसी दौरान 31 दिसम्बर कों उन्होंने अंतिम सांस ली श्री डहरवाल ग्राम पंचायत बाकोड़ा के पूर्व उपसरपंच भी रह चुके है मेडिकल व्यवसायी और समाजसेवी के साथ- साथ श्री डहरवाल सहयोग एक मिशन के सदस्य और माँ कात्यायनी देवी मंदिर बकोड़ा के सदस्य भी थे 64

वर्षीय श्री डहरवाल अपने पीछे पत्नी आशा डहरवाल और दो पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए उनके निधन का समाचार सुनते ही सभी परिवारजन,ग्रामवासी,रिश्तेदारों में शोक की लहर व्याप्त हो गई स्व. श्री डहरवाल ने की सदैव सामाजिक,धार्मिक आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी। वे परिवार हित सामाजिक हित में युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत थे। स्व. श्री डहरवाल सरल,सहज व मधुर स्वभाव के धनी तथा वे सदैव हंसमुख,मिलनसार, मृदुभाषी प्रवृत्ति के थे जिनका अंतिम संस्कार 01 जनवरी 2025 कों स्थानीय मोक्षधाम बकोड़ा में सभी परिवारजन, नाते- रिश्तेदार, चित-परिचित व समस्त ग्रामवासियों की उपस्थिति और गमगीन माहौल में हिंदू रिती रिवाज की परिपाठी में किया गया अंतिम संस्कार में कैलाश अग्रवाल, सुधीर जैन, दौलत जैन, दिनेश राकडे सहित समाजिक धार्मिक और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज के तहसील अध्यक्ष मनोनीत हुए रविकिरण सोनी

**लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ**
लालबर्रा, गुरुवार 02 जनवरी को लालबर्रा अंतर्गत ग्राम ददिया में मनोज येवले के निवास पर दोपहर 02 बजे महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज तहसील कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई जिसमे क्षेत्रीय सामाजिक एकीकरण एवं सहयोग तथा अन्य सामाजिक हितों के मुद्दों पर सामजिक प्रयास आदि विषयों पर चर्चा के बाद सामाजिक युवा वर्ग को प्राथमिकता देते हुए सर्वसम्मति से रविकिरण सोनी(ढोमने) को लालबर्रा स्वर्णकार समाज तहसील कार्यकारणी के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। मीडिया प्रभारी डॉ मनोज येवले ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजित बैठक के दौरान सामाजिक ब्लॉक कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद हेतु गणेश वड़ीचार,महिला उपाध्यक्ष सरिता पथिक,सचिव धनीराम रोकड़े,कोषाध्यक्ष कमलेश गोले,मीडिया प्रभारी डॉ मनोज येवले,सहसचिव डिलेश्वर रोकड़े,संगठन सचिव देवेन्द्र गुरूव का मनोननयन किया गया है।इसी के साथ लालबर्रा विकासखण्ड युवा कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद हेतु रामेश्वर वड़ीचार,उपाध्यक्ष डॉ श्रेय पथिक,सचिव जितेश रोकड़े,सहसचिव दिनकर घुले,कोषाध्यक्ष संदीप बांगरे,संगठनसचिव गजेन्द्र हर्षे,मीडिया प्रभारी चंद्रकिरण ढोमने,संयोजक धनेन्द्र बांगरे का मनोनयन किया गया हैं। नवमनोनीत ब्लॉक अध्यक्ष रविकिरण सोनी(ढोमने) तथा उपाध्यक्ष गणेश वड़ीचार ने कहा कि सामाजिक संगठन के चार सूत्र कार्यकारिणी,कार्यक्रम, कार्यालय एवं कोष जो किसी भी संगठन का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिनके पास ये चार सूत्र हैं वह संगठन काफी मजबूत और सफल होता है इस पर विशेष ध्यान दिया जावेगा तथा इसके साथ ही संगठन में मनोनीत सभी पदाधिकारियों की अपनी अपनी अहम भूमिका होती ही जिनके उचित निर्वहण करने पर ही भविष्य में सामाजिक हित मे सोचे गए अच्छे परिणाम सामने आते है इसको ध्यान में रखकर सभी पदाधिकारी अपनी भूमिका एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे।सामजिक एकता एवं सहयोग की भावना में विकास के उद्देश्य से क्षेत्र से जुड़े सुनार समाज के प्रत्येक व्यक्तियों से जुड़कर सामाजिक विकास एवं हितों के विषयों को ध्यान में रखकर हमारी कार्यकारिणी आगे अपने कार्यक्षेत्र में कार्य करेगी तथा इस कार्य मे हमें हमारे सभी क्षेत्रीय सामाजिक बंधुओं के सहयोग की आवश्यकता होगी।

# आमदई माइन्स के लिए परिवहन संघ ने शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना

## नारायणपुर में चक्का जाम की घोषणा

**गणेश वैष्णव । सिटी चीफ**
नारायणपुर, नारायणपुर जिला मालक परिवहन संघ के जिला अध्यक्ष किशोर आर्य, जिला सचिव रूपेश देवांगन एवं संरक्षक बृजमोहन देवांगन एवं रूपसाय सलाम द्वारा आज परिवहन कार्य में लगातार हो रही समस्याओ के लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन आंदोलन की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में साझा करते हुए बताई गई कि आमदई माइन्स में परिवहन के लिए ट्रांसपोर्टर के साथ नारायणपुर मालक परिवहन संघ एग्रीमेंट कराने के संबंध में लिखित एवं मौखिक में निवेदन करते आ रहा है, स्वास्तिक ट्रांसपोर्टर जे. के. विल्ला सिलतरा को आमदई माइन्स में परिवहन कार्य करते हुए लगभग 11 माह हो चुका है, लेकिन आज पर्यन्त तक हमारी माँगों पर किसी भी प्रकार से सहानुभूतिपूर्वक विचार न करते हुए एवं उचित कार्यवाही नहीं किया गया है जिसके चलते परिवहन कार्य बाधित हो रही है परिवहन संघ के सभी सदस्यों को आर्थिक क्षति उठाना पड़ रहा है। गाड़ियों की किस्त पटाने में कठिनाईयाँ आ रही है। दिनांक 01/01/25 को विश्राम गृह नारायणपुर में स्वास्तिक ट्रांसपोर्टर निवासी जे.के. विल्ला मेनरोड शंकरा, रायपुर के बीच एग्रीमेंट के संबंध में बैठक किया गया किंतु कोई भी हमारे माँगों के अनुसार सहमति नहीं बन पायी है। दिनांक 02/01/25 से 03/01/25 तक हमारे माँगों पर विचार करते हुए अंतिम निर्णय यदि नहीं लिया जाता है तो परिवहन संघ के द्वारा दिनांक 04/01/25 से धरना स्थल कोण्डागाँव रोड गढ़बेंगाल चौक दोनों रोड में आने जाने वाले मेडिकल परिवहन एवं सुरक्षा में लगे पुलिस वाहनों को छोड़कर

सभी प्रकार के दुपहिया वाहनों से लेकर यात्री बस आदि को प्रतिबंधित किया जाएगा।
इस बीच में धरना स्थल पर किसी प्रकार की यात्रियों को असुविधा एवं घटना दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी स्वास्तिक ट्रांसपोर्टर जे. के. विल्ला सिलतरा एवं निक्को प्रबंधन की होगी।
अत: नारायणपुर मालक परिवहन संघ माँग पूरा नहीं होने के कारण स्वास्तिक ट्रांसपोर्टर जे. के. विल्ला सिलतरा एवं निक्को प्रबंधन से एग्रीमेंट होते तक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी व दिनांक 04 जनवरी 2025 को सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक गढ़बेंगाल चौक नारायणपुर में चक्का जाम किया जाएगा। उक्त प्रदर्शन में नारायणपुर जिले के व्यापारी संघ, विभिन्न समाज के लोग समस्त राजनीतिक पार्टियाँ, समस्त बसों के संचालक गणों का समर्थन उक्त प्रदर्शन के लिए प्राप्त हुआ है जिन्हें नारायणपुर मालक परिवहन संघ धन्यवाद ज्ञापित करता है।
उक्त महत्वपूर्ण बिंदुओं में ट्रांसपोर्टर के साथ अनुबंध करने मालक परिवहन संघ ने शुरू किया अनिश्चितकालीन आंदोलन एवं चक्का जाम...
1) यह कि लोडिंग में नारायणपुर जिले को 80 प्रतिशत कि प्राथमिकता होगी एवं 20 प्रतिशत ट्रांसपोर्टर, वी.आइ.पी., निक्को प्रबंधन का भागीदारी होगा।
2) यह कि गेटपास नारायणपुर परिवहन संघ एवं ट्रांसपोर्टर दोनों का गेटपास गढ़बेंगाल चौक में कटेगा। जितने गाड़ियों की लोडिंग प्रतिदिन लोडिंग होगी उतने ही ट्रक छोटेडोंगर जाएगी।
3) यह कि परिवहन हेतु प्रथम पक्षकार द्वारा स्वास्तिक ट्रांसपोर्टर, जे.के. विल्ला, सिलतरा मेनरोड शंकरा, रायपुर माइन्स छोटेडोंगर आमदई से रायपुर सिलतरा रायपुर, परिवहन हेतु 1330 रु. अक्षरी तेरह सौर तीस रू. प्रति टन एवं गिधाली जिला बालोद में परिवहन हेतु 1090रू. अक्षरी एक हजार नव्ये रू. प्रति टन भुगतान किया जाएगा।
4) यह कि परिवहन उपरांत महिने के 5 तारीख तक पक्षकार द्वारा द्वितीय पक्षकार को भुगतान किया जाएगा।
5) यह कि लोडिंग पॉईंट में 500 मीटर की दूरी तक यूनियन की ट्रकों के लिए आरक्षित जगह रहेगा। जिसमें ट्रांसपोर्टर की गाड़ियाँ या समिति की गाडियाँ खड़ी नहीं होगी ।
6) यह कि प्रथम पक्षकार द्वारा द्वितीय पक्षकार द्वारा किए गए परिवहन का बिल्टी द्वितीय पक्षकार से नारायणपुर में ही लिया जाएगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रथम पक्षकार की होगी एवं द्वितीय पक्षकार द्वारा प्रत्येक माह के 1 से 5 तारीख के मध्य बिल्टी प्रथम पक्ष को सौंपा जाएगा।
7) यह कि परिवहन अवधी के दौरान डीजल के मूल्य में न्यूनतम 1 रू. की बढ़ोत्तरी होने की दशा में प्रथम पक्षकार द्वितीय पक्षकार को 6 रू प्रति टन अतिरिक्त राशि का भुगतान करेगी। एवं डीजल का न्यूनतम 1 रू. मूल्य घटने की दशा में 6 रू. प्रतिटन कम राशि का भुगतान किया जाएगा। यह भाड़ा में मूल्य वृद्धि केवल रायपुर लोड हेतु प्रभावी रहेगा।
8) गिधाली जिला बालोद में परिवहन की दशा में प्रथम पक्षकार, द्वितीय पक्षकार को 3 रु. प्रतिटन अतिरिक्त राशि का भुगतान करेगी अगर डीजल का न्यूनतम एक रूपये एवं डीजल का मूल्य 1 रू. घटने की दशा में तीन रू. प्रतिटन कम राशि का भुगतान किया जावेगा ।
9) यह कि लोडिंग के पश्चात पूरी गाड़ियों की लोडिंग लिस्ट नारायणपुर परिवहन संघ को निक्को प्रबंधन द्वारा प्रतिदिन उपलब्ध कराया जाएगा ।
10 ) यह कि 15 जुलाई से 15 अक्टूबर तक बरसात में केवल नारायणपुर परिवहन संघ एवं छोटेडोंगर दंतेश्वरी समिति की गाडियों को परिवहन कार्य हेतु लोडिंग दिया जाएगा। लोडिंग के पश्चात यदि अच्च्चा माल उपलब्ध रह जाता है तो ट्रांसपोर्टर के गाड़िया परिवहन की जाती है।

# रायपुर में नए साल का जश्न

## रिकार्ड तोड़ खर्च , उत्साह और सुरक्षा का संगम

**राजीव खरे । सिटी चीफ** रायपुर, हर साल की तरह, इस बार भी नए साल का स्वागत करने के लिए देशभर में धूमधाम और पार्टियों का माहौल देखा गया। बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, क्लब, होटल और रेस्ट्रां में जश्न की धूम रही। लोग दोस्तों और परिवार के साथ पार्टी करते हुए नए साल का स्वागत करने के लिए आतिशबाजी, संगीत और डांस का आनंद लेते नजर आए। इस बार नए साल का जश्न देशभर में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। लोगों ने जश्न में पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए जमकर खर्च किया। रायपुर जिले में 31 दिसंबर और 1 जनवरी को शराब और चिकन की बिक्री ने नए आयाम स्थापित किए। वहीं, पुलिस की सतर्कता और लोगों की जिम्मेदारी ने सुनिश्चित किया कि जश्न शांतिपूर्ण और सुरक्षित रहे। रायपुर में नए साल के जश्न के दौरान शराब और चिकन की बिक्री ने सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 2023 में 31 दिसंबर को लगभग 8 करोड़ रुपये की शराब बिकी थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 10 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। विदेशी शराब की बिक्री ने इस बढ़ोतरी में सबसे बड़ा योगदान दिया। इसी प्रकार 31 दिसंबर और 1 जनवरी को रायपुर में 2 लाख किलो चिकन बिकने का अनुमान है। दुकानों पर इतनी भारी भीड़ थी कि लंबी कतारें देखने को मिलीं। पूरे प्रदेश में करीब 6 लाख किलो चिकन की खपत हुई, जिसमें 30त्न हिस्सा रायपुर का रहा। नए साल के जश्न का क्रेज़ हर साल बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया पर पार्टी की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल होते हैं। लोग अपने जश्न को अनोखा बनाने के लिए बड़े पैमाने पर खर्च कर रहे हैं। हालांकि, इस बढ़ते क्रेज़ के साथ कुछ खतरनाक पहलू भी जुड़ते जा रहे हैं। नए साल की मस्ती में अक्सर लोग अपनी सुरक्षा भूल जाते हैं, जिसके चलते कई बार दुर्घटनाएं हो जाती हैं। हालांकि, जश्न के दौरान सड़क दुर्घटनाओं और शराब के नशे में हुई अप्रिय घटनाओं की खबरें देश के कुछ हिस्सों से आईं। लेकिन रायपुर जैसे शहरों में पुलिस की सतर्कता और जनता की जागरूकता ने यह सुनिश्चित किया कि नए साल का जश्न शांति और सौहार्द के साथ पूरा हो। शहर के नए पुलिस कप्तान एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह के नेतृत्व में सुरक्षा के लिए विशेष कदम उठाए गए। नए साल की पूर्व संध्या पर पुलिस ने 24 प्रमुख स्थानों पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर नजर रखी। इसके अलावा, बदमाशों पर पहले से की गई सख्ती का असर भी नजर आया। वायरल वीडियो में बदमाशों को उठक-बैठक करते और सख्त चेतावनियां लेते देखा गया, जिससे शहर में झगड़ों और अपराधों की घटनाएं न के बराबर रहीं। शहर में फार्महाउस, होटल और रिसॉर्ट्स में आयोजित पार्टियों के लिए 37 विशेष लाइसेंस जारी किए गए। बड़े आयोजन स्थलों पर ड्रोन के माध्यम से निगरानी की गई। सादी वर्दी में पुलिसकर्मी भी तैनात किए गए ताकि किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। जश्न मनाना गलत नहीं है, लेकिन इसे जिम्मेदारी और संयम के साथ करना चाहिए। सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन करना, नशे में गाड़ी न चलाना और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सरकार और प्रशासन ने भी लोगों से अपील की थी कि वे नए साल के जश्न को सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं।समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वे दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। परिवार और दोस्तों के साथ जश्न मनाते हुए संयमित व्यवहार करें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी तरह की दुर्घटना या अप्रिय घटना न हो। नया साल खुशी और उत्साह लेकर आता है, लेकिन यह तभी सार्थक है जब हम इसे अपने और दूसरों के लिए सुरक्षित बनाएं। नया साल सिर्फ खुशियों का प्रतीक है, और इस बार लोगों ने न केवल अपने जश्न को यादगार बनाया बल्कि सुरक्षा और जिम्मेदारी का भी परिचय दिया। 2025 की यह शुरुआत सही मायनों में उत्साह, संयम और सौहार्द का मेल रही।

# अवेध हथियार (कट्टा, पिस्टल, रिवाल्वर) वनाने की फैक्ट्री का पर्दाफास

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ**
दमोह, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के सक्रिय निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा के कुशन मार्गदर्शन, नगर पुलिस अधीक्षक दमोह अभिषेक तिवारी एवं थाना प्रभारी कोतवाली आनंद राज के सक्रिय नेत्रत्व मे थाना कोतवाली दमोह पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र मे संचालित अवैध फायर आर्म्स की फैक्ट्री का पर्दाफास कर बडी मात्रा मे फायर आर्म्स (रिवाल्वर, पिस्टल, देशी कट्टा, रिवाल्वर एवं देशी कट्टा के अदवने पार्ट्स, रिवाल्वर पिस्टल को बनाने का सामान जिनमे ग्लाडर, बोर मशीन आदि) तीन नामजद आरोपियो से जप्त कर सलाखो के पीछे पहुंचाने मे कामयाबी हासिल की।
थाना कोतवाली पर अप.क्र. 13/25 धारा 25 (1) (ए), 27,29 (ए), 29(बी) दिनाँक 03.01.25 को कायम किया गया। कार्यवाही के दौरान तीनो नामजद आरोपियो से 10 देशी कट्टा, 02 छकडी (रिवाल्वर), 02 पिस्टल, 01 ग्लांडर, 01 बोर मशीन, देशी कट्टा व पिस्टल बनाने का सामान विधिवत जप्त किया गया। उक्त तीनो आरोपियो द्वारा हथियारो के अवैध क्रय विक्रय के संबंध मे बतायी गयी जानकारी पर विवेचना जारी है।
गिरफ्तार आरोपी -1. भरतभूषण पिता कैलाश नाथ बंसल नि. चैनपुरा दमोह
2. परमसुख पिता रामदीन रैकवार नि. जबलपुरनाका दमोह
3. भूरा उर्फ रजनीकांत पिता रमेश विश्वकर्मा नि. ग्राम आवरी हिण्डोरिया
10 देशी कट्टा, 02 छकडी (रिवाल्वर), 02 पिस्टल
01 ग्लांडर, 01 बोर मशीन,
देशी कट्टा व पिस्टल बनाने का अधबना सामान
सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी / कर्मचारी निरी. आनंद राज थाना प्रभारी कोतवाली, सउनि. राकेश पाठक, रघुराज सिह, प्र.आर. राकेश अठ्या, सौरभ टंडन, सूर्यकांत पाण्डेय, महेश यादव, देवेन्द्र रैकवार, प्रमोद चौबे आरक्षक नरेन्द्र पटेरिया, रानू राय, मनोज पाण्डेय, सैनिक राकेश दुबे।

# निम्बाहेड़ा में वरघोड़े के साथ भैरव भक्ति का भव्य आयोजन आज

## भजन संध्या से पहले पार्श्व पूर्णिमा मण्डल ने किया भूमि पूजन

**शंभूपुरा**। निम्बाहेड़ा की पावन धर्म धरा पर श्री नाकोड़ा पार्श्व पूर्णिमा मण्डल के द्वारा स्थानीय कृषि उपज मंडी प्रांगण में भव्य श्री पार्श्व भैरव भक्ति संध्या का आयोजन 4 जनवरी को किया जा रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर शुक्रवार को शुभ मुहूर्त में दोपहर सवा 12 बजे भजन संध्या आयोजन की भूमि का विधिवत पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर इस अवसर पर श्री नाकोड़ा पार्श्व पूर्णिमा मण्डल के बसन्त लोढ़ा, जिनराज पितलिया, बलवंत बम्ब, सुनिल सिंघवी, कुशाल छाजेड़, राजेश बोड़ाणा, पंकज संचेती, अभिषेक वडारा, अंकित वीराणी, कमलेश दुग्गड़, मनोज मेहता, गौतम चंडालिया, नवीन ढेलावत, पिंकेश कांठेड़, अभय लोढा, जीतु डागा, प्रियेश डुंगरवाल, वैभव अब्भाणी, हर्षद बोड़ाणा, दीपक सगरावत, पीयूष मोदी, श्रेयांश पालेचा, किशोर शर्मा, निखिल संचेती आदि मौजूद रहे। श्री नाकोड़ा पार्श्व पूर्णिमा मण्डल के द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जनवरी, शनिवार को दोपहर सवा 12 बजे सिटी वाले जैन मंदिर से भव्य वरघोड़ा निकाला जाएगा, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए भजन संध्या आयोजन स्थल कृषि उपज मंडी निम्बाहेड़ा पर पहुंचेगा, जहां सांय 7.15 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। भजन संध्या में बालोतरा के प्रसिद्ध भजन गायक वैभव बाघमार एवं सिरोही की प्रसिद्ध गायिका नीता नायक की मधुर वाणी में श्रोता भजनों की स्वर लहरियों का आनंद लेंगे। भजन संध्या के आयोजन को लेकर श्री नाकोड़ा पार्श्व पूर्णिमा मण्डल के द्वारा तैयारियो को अंतिम रुप दिया गया।

## जल संरक्षण का संदेश दिया

**खरगोन** म प्र जन अभियान परिषद कसरावद द्वारा सेक्टर 2 के ग्राम पीपलझोपा में बोरी बंधान कर ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश दिया जिसमे नवांकुर संस्था के अध्यक्ष अमित रावल, मेंटर विजय केवट सीएम सीएलडीपी छात्र नीलेश धनगर, कान्हा धनगर, पूर्णिमा पटेल,महेंद्र पटेल , रजनी सोलंकी,दिनेश सोलंकी , उत्सव मंडलोई , सरपंच प्रतिनिधि कुणाल सावले एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे

# 25 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ

**उज्जैन**

शासकीय विक्रम महाविद्यालय खाचरोद में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत 25 दिवसीय अल्पावधि स्वरोजगारमुखी ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ । इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री अमित सेठी ने एवं मार्गदर्शन प्राचार्य डॉ लीला बामनिया ने किया। सेठी जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण को लेने एवं स्वरोजगार की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति यादव ने किया। महाविद्यालय में ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिनांक 1/1/25 से दिनांक 25/1/25 तक दिया जाएगा , जिसमें छात्राओं को ब्यूटी पार्लर संबंधित समस्त विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ब्यूटी पार्लर की संचालिका श्रीमती ज्योति दलाल ने छात्राओं को पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ .अर्चना ललावत एवं समिति सदस्य डॉ .नेहा केथवास डॉ .दीपिका पालीवाल और डॉ .वंदना राजपूत ने छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालय परिवार एवं छात्राओं की सहभागिता रही ।

## कलेक्टर सुश्री बाफना ने जिले के पहले कस्टम हायरिंग सेंटर का शुभारंभ किया

**शाजापुर** कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने गत दिवस सहारा संकुल संगठन खोकराकला अंतर्गत ग्राम बड़बेली में गठित एकता आजीविका स्वयं सहायता समूह के कृषि अभियांत्रिकी विभाग के कंवर्जेंस से कस्टम हायरिंग सेंटर का शुभारंभ किया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने महिला समूह द्वारा संचालित जिले के प्रथम कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने आजीविका मिशन टीम को बधाई देते हुए, इसी प्रकार ओर आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन भी दिया। कार्यक्रम में ग्राम के अन्य समूहों की महिला सदस्यों द्वारा स्वयं के हाथ से तैयार किए गए उत्पाद बच्चों के बरमुंडे, सभी प्रकार के महिलाओं के उपयोग के लिए बैग, विभिन्न प्रकार के आचार एवं मुरब्बे, गृह साज-सज्जा की सामग्री के स्टॉल प्रदर्शनी के लिए लगाए गई, जिसका कलेक्टर सुश्री बाफना ने अवलोकन कर सामग्री क्रय भी की। इस कस्टम हायरिंग सेंटर का संचालन पूर्ण रूप से महिलाओं के द्वारा ही किया जायेगा। कस्टम हायरिंग सेंटर के संचालन के लिए एकता आजीविका समूह की सचिव श्रीमती माधुरी सोनटके ने भारत सरकार के कृषि विभाग द्वारा संचालित केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान बुदनी जिला सीहोर से लिया गया है। उक्त कस्टम हायरिंग सेंटर की लागत 22 लाख 86 हजार 346 है, जिसमें 5 लाख 71 हजार 586 रुपये समूह अंशदान है। 40 प्रतिशत कृषि अभियांत्रिकी विभाग भोपाल द्वारा अनुदान है एवं शेष राशि बैंक ऑफ इंडिया शाखा नांदनी द्वारा लोन किया गया है, जिसे समूह द्वारा बैंक द्वारा बनाई गई किश्त अनुसार लौटाया जायेगा। ग्राम बड़बेली में आजीविका मिशन द्वारा 14 समूहों का गठन कर 152 ग्रामीण महिलाओं को जोड़ा गया है। इन 14 समूहों मे से 12 समूहों को चक्रीय कोष के रूप मे 1 लाख 67 हजार राशि दी गई है एवं मिशन नियमानुसार सामुदायिक निवेश निधि के रूप मे 5 लाख रुपये मिशन के द्वारा संकुल संगठन के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न प्रकार की आय अर्जक गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रदाय की गई है एवं 9 समूहों को बैंक लिंकेज के माध्यम से नगद साख सीमा (ष्टष्टरु) राशि 87 लाख 56 हजार रुपये बैंक ऑफ इंडिया शाखा नांदनी द्वारा ऋण के रूप में दिया गया है। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर श्रीमती अर्चना कुमारी, जनपद पंचायत सीईओ श्री डीआरएस राणा, तहसीलदार श्री कैलाश सस्त्या, नायब तहसीलदार, जनपद सदस्य श्री दीपसिंह राजपूत, ग्राम बड़वेली सरपंच श्रीमती भूरीबाई, कृषि अभियांत्रिकी इंजीनियर (कृषि विभाग), ईई पीएचई श्री वीएस चौहान, आजीविका मिशन से जिले ओर ब्लॉक स्तर के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

# केपीएल सीजन का हुआ समापन

## छंगालाला टीम ने जीता प्रथम पुरस्कार

**उज्जैन**

खाचरोद समरथ सेन खाचरोद शहर में अभी तक के इतिहास में सबसे बड़े आयोजन सर्व श्री स्वस्तिकाय सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा वडोदरा से मंगवाई गई विद्युत सज्जा के साथ रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट एक माह ओर एक दिन तक चलने वाले द्यश्चद्य सीजन श्री का समापन बहुत ही शानदार रहा,द्यश्चद्य सीजन के मुख्य सूत्रधार व स्वच्छता समिति के सभापति नारायण मंडावलिया व अध्यक्ष जितेंद्र जैन ने बताया कि एक माह ओर एक दिन तक चले इस आयोजन में 11 टीमों ने भाग लिया जो प्रत्येक टीम आपस में 10 मैच खेली,फाइनल मुकाबला राजस्व इलेवन व छंगालाला के बीच हुआ, टास जीत कर राजस्व इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया,पूरी टीम

छिंय्याशी(86) रन बना कर ऑल आउट हो गई,जिसके जवाब में छंगालाल ने मात्र 2 विकेट खो कर लक्ष्य हासिल कर लिया,
टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार एक लाख रु के साथ ट्राफी व दूसरा पुरस्कार 50 हजार के साथ एक ट्राफी थी, मेन ऑफ द सीरीज सत्येंद्र यादव को मिली,इसके अलावा प्रत्येक मैच में मेन ऑफ द मैच,बेस्ट बॉलर, बेस्ट बेस्टमैन, बेस्ट फिल्डर,बेस्ट विकेट कीपर के साथ टूर्नामेंट में विशेष सहयोग करने वाले को सेवा सम्मान से सम्मानित कर पुरस्कार दिया गया, खाचरोद के इतिहास में पहली बार पुरुष के साथ महिला कामेन्ट्री प्राची प्रजापत ने संभाली, कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक डॉ तेज बहादुरसिंह चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा, जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराज चौहान, प्रिंशी खेमसरा, राजेश धाकड़, मोतीसिंह शेखावत, हरिराम कांकर विशाल बरखेड़ावाला थे, कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान ग्रुप के नारायण मंडावलिया, जितेंद्र जैन, रोहित बनोदा, अनुपम सोलंकी, सोनू शर्मा, अमन बनोदा, शुभम गांग, अमन पंवार, पुलकित केरोफ आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

## हरदा जिले के 3 स्थानीय अवकाश घोषित

**हरदा** कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने हरदा जिले में वर्ष 2025 के लिये 3 स्थानीय अवकाश घोषित किये है। जारी अधिसूचना अनुसार 19 मार्च बुधवार को रंगपंचमी पर्व पर, 30 सितम्बर मंगलवार को महाष्टमी तथा 23 अक्टूबर को भाईदूज का स्थानीय अवकाश सम्पूर्ण हरदा जिले के लिये घोषित किया गया है। ये अवकाश बैंक एवं कोषालय पर लागू नहीं होंगे।

# इंदौर कमिश्नर ने की राजस्व महा अभियान-3.0 की समीक्षा

**खरगोन** इंदौर कमिश्नर श्री दीपक सिंह ने 03 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स की बैठक लेकर राजस्व महा अभियान-3.0, मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री धरती आबा, जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट कार्यालय खरगोन के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्री सत्यनारायण दर्रो, श्रीमती हेमलता सोलंकी, सभी एसडीएम एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। राजस्व महा अभियान-3.0 की समीक्षा के दौरान नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, परंपरागत रास्तों के चिन्हांकन, नक्शों में बटांकन, आधार की खसरे से लिंकिंग, फॉर्मर आईडी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी सेच्यूरेशन, स्वामित्व योजना की जिलेवार समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि राजस्व महा अभियान के लक्ष्यों की समय सीमा में पूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने का काम शीघ्र पूर्ण करने कहा गया। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविरों में प्राप्त आवेदनों का तेजी से निराकरण करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत चयनित ग्रामों में शत प्रतिशत पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान इस मिशन की नल जल योजनाओं का कार्य समय सीमा में पूर्ण करने और पूर्ण हो चुकी योजनाओं को संबंधित ग्राम पंचायत को शीघ्र हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन की योजनाओं के निर्माण में लापरवाही पाये जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा ठेकेदार के विरूद्ध ब्लेक लिस्टेड करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विधानसभा क्षेत्रवार विजन डॉक्यूमेंट-2047 तैयार करने का कार्य समय सीमा में पूर्ण करने कहा गया।

# मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

**सीहोर** मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर ने आष्टा तहसील के ग्राम आमला मज्जू, अमरपुरा, गाजना एवं लाखिया में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

**जनकल्याण अभियान के तहत जिलेभर में शिविर आयोजित** शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं से सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए प्रदेश के साथ ही जिले में भी मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिलेभर में अनेक स्थानों पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस शिविरों में आमजन को शासन की सभी हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी जा रही है एवं सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित भी किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में अनेक स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया गया।

# छप्पन भोग ओर विशाल भंडारा

**उज्जैन**

महंत श्री 1008 बाबा गंगादास जी महाराज की पुण्य तिथि पर आज शनिवार को आक्याजागीर के श्री राम मंदिर पर विशाल छप्पन भोज का आयोजन होगा।इस अवसर पर 1008 श्री बाबा श्री गंगादास जी महाराज की समाधि का पूजन भी किया जाएगा। शनिवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक कथा चलेगी पश्चात श्रीराम दरबार में छप्पन प्रकार के पकवान बनाकर भगवान को भोग लगाया जाएगा। कार्यक्रम में अनेक स्थानों से साधु संतो का आगमन होगा। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान श्री कृष्ण और राधारानी के जीवंत पर कथा का योजन भी हो रहा है। जिसमे कथा वाचक पंडित रविराज उपाध्याय ने कहा कि परमात्मा धन बल से प्रभावित नहीं होते अगर मन से कृष्ण का स्मरण किया जाए तो भगवान किसी न किसी रूप में उपस्थित हो जाते है। भगवान कृष्ण ने गरीब सुदामा के लिए राज पाठ को त्याग दिया था। परमात्मा अपने भक्तों की तुलना अमीरी या गरीब से नहीं करते हैं उन्हें केवल भाव से विभोर हुए भक्त ही अत्यंत प्रिय हैं भगवान श्री कृष्ण की 16 हजार रानियां ने भी उनसे अंतर्मन से ही प्रेम किया था। आज कथा का भी विश्राम भी होगा।

# आंगनवाडी केन्द्रों में प्री-नर्सरी शिक्षण के लिए पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया

**शाजापुर** कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले की 200 आंगनवाडी केन्द्रों को प्री-नर्सरी शिक्षण के लिए आज पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने पर्यवेक्षकों को निर्देश दिये कि आंगनवाडी केन्द्रों में चलाए जा रहे प्री-नर्सरी शिक्षण के लिए समस्त ग्राम/वार्ड में जनसमुदाय को जागरूक करें। साथ ही आंगनवाडी केन्द्रों पर बच्चों को नियमित भेजने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व आशा गृहभेट भी कराएं। उन्होंने निर्देश दिये कि

प्रशिक्षण में दी जा रही गतिविधियों व पाठ्य सामग्री के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों से गतिविधि कराएं, आंगनवाड़ियों में बच्चो कि उपस्थिति नियमित हो, यह सुनिश्चित करें। जिससे कि बच्चो का सर्वांगीण विकास हो सके। सहायक कलेक्टर श्री शिवम यादव ने निर्देश दिये कि पर्यवेक्षक आंगनवाडी कार्यकर्ता को एक दिन पूर्व ही किये जाने वाली गतिविधि से अवगत कराए। साथ ही सकारात्मक माहोल में बच्चों को व्यवहारिक व सैद्धांतिक ज्ञान भी दें, यह सुनिश्चित करें। इस दौरान प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री नीलम चौहान ने शाला पूर्व शिक्षा पोषण भी पढ़ाई भी का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से करने संबंधी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मिशन वात्सल्य अंतर्गत बालको के अधिकार देखरेख व संरक्षण कि आवश्यकता वाले बालको को प्रदाय कि जाने वाली सेवाओ के बारे में अवगत भी कराया। इस दौरान परियोजना अधिकारी श्री पंकज दावे, श्री ललित राठौर, श्री भगवती मालवीय, सुश्री नेहा चौहान व श्रीमती नेहा जायसवाल व समस्त पर्यवेक्षक व ब्लाक समन्वयक उपस्थित थे।

# ऑक्सीजन के बिना 14 चोटियों पर चढ़कर इस पर्वतारोही ने रचा इतिहास, अब मिला सम्मान

**काठमांडू:** जाने-माने नेपाली पर्वतारोही मिंगमा जी. शेरपा को शुक्रवार को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अतिरिक्त ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना 8,000 मीटर से अधिक ऊंची सभी 14 चोटियों पर चढ़ने वाला पहला नेपाली पर्वतारोही बनकर इतिहास रचा था। मिंगमा (38) अक्टूबर में तिब्बत में शीशा पंगमा (8,027 मीटर ऊंची) चोटी पर अपराह्न लगभग चार बज कर छह मिनट पर पहुंचे और अतिरिक्त ऑक्सीजन के उपयोग के बिना 8,000 मीटर की 14 चोटियों पर चढ़ने वाले नेपाल के पहले पर्वतारोही बन गए। पर्यटन, संस्कृति एवं नागरिक उड्डयन राय मंत्री अरुण कुमार चौधरी ने शुक्रवार को काठमांडू में नेपाल पर्वतारोहण संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मिंगमा को सम्मानित किया। डोलखा जिले के रोलवालिंग ग्रामीण नगर पालिका में जन्मे मिंगमा ने पहली बार 2007 में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर चढ़ाई की और चार अक्टूबर, 2024 को माउंट शीशा पंगमा (8,027 मीटर) पर चढ़कर अपना मिशन पूरा किया। पेशे से 'माउंटेन गाइड मिंगमा छह बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ चुके हैं। वह नेपाल में पर्वतारोहण एजेंसी 'इमैजिन नेपाल के मालिक भी हैं। उन्होंने मीडिया से कहा, पहाड़ी देश नेपाल का नागरिक होने के नाते, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अपने देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए बिना ऑक्सीजन सिलेंडर के 14 ऊंची चोटियों पर चढ़ने का साहस किया। उन्होंने सरकार से आपात स्थिति का सामना करने वाले पर्वतारोहियों को बचाने के लिए सुविधाओं से लैस एक स्थायी बचाव दल बनाने का अनुरोध किया ताकि देश में पर्वतीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सुविधाओं से लैस बचाव दल की अनुपस्थिति में कई शेरपाओं की जान खतरे में पड़ जाती है।

# श्मशान में शवों का ढेर

# फिर भी चीन का झूठ

## जिनपिंग दुनिया को किस आग में झोकेंगे?

**नेशनल डेस्क.** चीन में एक बार फिर एक नया वायरस, ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस तेजी से फैल रहा है। अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं और श्मशानों में भी शवों को दफनाने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। हालांकि, चीन सरकार ने इस बारे में सोशल मीडिया पर फैल रहे वीडियो और रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया है और कहा कि इस तरह की स्थितियां नहीं हैं। चीन का कहना है कि वहां के हालात सामान्य हैं और विदेशियों के लिए यात्रा करना पूरी तरह से सुरक्षित है।

यह बयान चीन ने ठीक उसी तरह दिया है जैसे पांच साल पहले कोविड-19 के समय दिया था, जब उसने यह नहीं माना कि वायरस चीन से फैला। शुक्रवार को चीन ने देश में फ्लू और सांस संबंधी बीमारियों के प्रकोप की खबरों को कमतर बताते हुए कहा कि इस साल सर्दियों में श्वसन संक्रमण पिछले साल की तुलना में कम गंभीर हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया से बात करते हुए कहा, सर्दियों में श्वसन संक्रमण बढ़ना सामान्य है, लेकिन यह इस बार कम गंभीर और छोटे पैमाने पर फैल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी सरकार अपने नागरिकों और विदेशियों के स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

चीन की स्वास्थ्य एजेंसी ने सर्दियों में श्वसन रोगों की रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले कुछ दिनों से चीन में ठंड बढ़ी है, और इस कारण फ्लू के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है, जो हर साल सर्दियों में होता है।

# चीन ने बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को खारिज किया

## कहा- देश यात्रा के लिए सुरक्षित

**बीजिंग:** चीन ने देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप संबंधी खबरों को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए शुक्रवार को कहा कि सर्दियों के दौरान होने वाली श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में इस वर्ष कम गंभीर हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना सुरक्षित है। मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने देश में 'इन्फ्लूएंजा ए% और अन्य श्वसन रोगों के फैलने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, ''सर्दियों के मौसम में श्वसन संक्रमण चरम पर होता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में चीन के अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ दिख रही है। निंग ने कहा, ''पिछले वर्ष की तुलना में ये बीमारियां कम गंभीर प्रतीत होती हैं और छोटे स्तर पर फैल रही हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीन सरकार चीनी नागरिकों और विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।

निंग ने सर्दियों में श्वसन संबंधी बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के संबंध में चीन के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण एवं रोकथाम प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भी उल्लेख किया। पिछले कुछ दिनों से विदेश में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू फैलने की खबरें आ रही हैं। चीन में लोगों को पिछले कुछ महीनों से कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

# भारत ने चीन की नई काउंटियों और ब्रह्मपुत्र परियोजना पर जताया विरोध

**इंटरनेशनल डेस्क.** भारत ने हाल ही में चीन द्वारा दो नई काउंटियों (प्रशासनिक क्षेत्रीय इकाईयां) की स्थापना की घोषणा पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीनी सरकारी मीडिया शिन्हुआ के अनुसार 27 दिसंबर को झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र की सरकार ने हेआन काउंटी और हेकांग काउंटी की स्थापना की घोषणा की। यह काउंटियाँ हॉटन प्रांत द्वारा प्रशासित की जाएँगी, और उनकी सीमाएं भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के कुछ हिस्सों से सटी हैं। भारत ने इस कदम को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत कभी भी इस क्षेत्र में चीनी कब्जे को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इन तथाकथित काउंटियों का प्रशासन लद्दाख के क्षेत्र में भारतीय संप्रभुता पर कोई असर नहीं डालेगा। भारत ने इस मुद्दे पर चीन से राजनयिक चैनलों के माध्यम से गंभीर विरोध व्यक्त किया है।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि चीनी कब्जे को कभी भी वैधता नहीं दी जाएगी। भारतीय पक्ष ने अपने दीर्घकालिक और सुसंगत रुख का पुनः उल्लेख किया कि लद्दाख का क्षेत्र भारत का अभिन्न हिस्सा है।

इसके अलावा, विदेश मंत्रालय ने चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर जलविद्युत परियोजना बनाने को लेकर भी अपनी चिंताएं जताई हैं। चीन ने 25 दिसंबर को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक जलविद्युत परियोजना बनाने की योजना का खुलासा किया था। भारत ने इस परियोजना पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि चीन को सुनिश्चित करना चाहिए कि इससे ब्रह्मपुत्र नदी के निचले तटवर्ती राज्यों के हितों को नुकसान न पहुंचे। भारत ने इस मामले पर पारदर्शिता और परामर्श की आवश्यकता को दोहराया और यह सुनिश्चित किया कि उनके राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

# 5.5 तीव्रता का आया भूकंप...ज्वालामुखी से निकला लावा और धुंआ

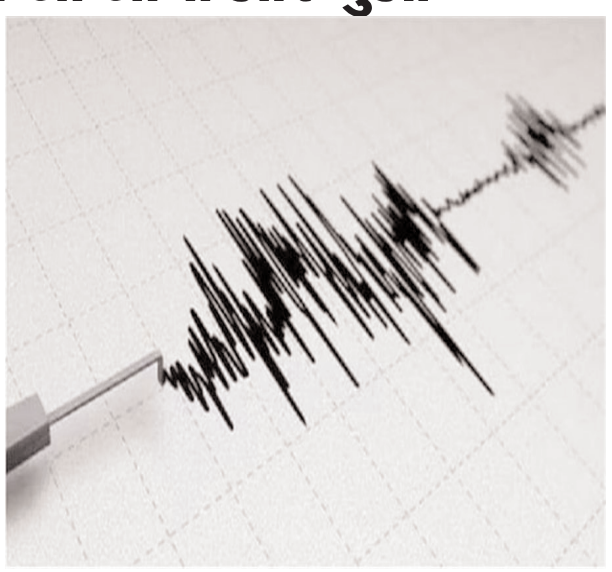

**नेशनल डेस्क.** आज इथियोपिया में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र पृथ्वी की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इस भूकंप की पुष्टि की है, और इस क्षेत्र में ज्वालामुखी विस्फोट होने का खतरा बढ़ गया है। मध्य इथियोपिया के माउंट डोफन में ज्वालामुखी विस्फोट की सूचना मिली है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ समय से लगातार छोटे भूकंप महसूस किए जा रहे हैं, जो बड़े प्राकृतिक आपदा का संकेत हो सकते हैं, खासकर अवाश फेंटाले क्षेत्र में, जो अदीस अबाबा से करीब 230 किलोमीटर दूर है।

स्थानीय अधिकारियों, जिनमें क्षेत्रीय प्रशासक अब्दु अली भी इस बीच, नेपाल में भी लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। 3 जनवरी 2025 को कर्णाली प्रांत के मुगु जिले में भूकंप आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.4 मापी गई। इससे पहले 2 जनवरी को नेपाल के सिंधुपालचौक जिले में 4.8 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, दोनों घटनाओं में जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन नेपाल भूकंप के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील है क्योंकि यह हिमालयन सिस्मिक बेल्ट में स्थित है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की टक्कर से भूकंप आते रहते हैं।

इथियोपिया और नेपाल में हो रहे इन भूकंपीय घटनाओं ने प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लोगों की सतर्कता बढ़ा दी है, और विशेषज्ञों का कहना है कि इन क्षेत्रों में भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोटों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी है। शामिल हैं, ने उच्च जोखिम वाले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। भूकंप के झटके लगातार और तीव्र होते जा रहे हैं। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद क्रेटर से धुआं तो कम हो गया है, लेकिन लावा अब भी बह रहा है। ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा होने के कारण इस क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधि में बढ़ोतरी हो रही है, और इस साल सितंबर तक अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यहां 67 से ज्यादा भूकंप दर्ज किए थे।

## नया साल चढ़ते ही दिल्ली में खौफनाक वारदात

# पत्नी की हत्या कर बेड में छिपाई लाश और फिर....

**नेशनल डेस्क.** दिल्ली के बिंदापुर इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर उसके शव को बेड में छिपा दिया और फरार हो गया। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची, जहां महिला का शव सड़ी-गली हालत में पाया गया। शव की पहचान 24 वर्षीय दीपा के रूप में हुई है, जो पांच साल पहले धनराज से शादी कर दिल्ली में किराए पर रहती थी।

पुलिस ने बताया कि दीपा और धनराज की दो साल की एक बेटी भी है, जो अपने मामा के पास रहती है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस ने एफएसएल और क्राइम टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया। बताया गया कि दो दिन पहले आरोपी ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव को छिपाया था।जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची टीम को महिला का शव सड़ी गली हालत में मिला था। मृतका के पिता, अशोक चौहान की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यह धारा हत्या या गंभीर चोटों से संबंधित अपराधों के लिए लागू होती है। मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है, और आरोपी की तलाश में प्रयास जारी हैं। आरोपी की पहचान टैक्सी ड्राइवर के रूप में हुई है और वह घटना के बाद से फरार है। पुलिस अब आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और मामले की गहन जांच कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569